PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस समाज में मेहनत से ज्यादा जुगाड़ की चर्चा होने लगे, वहां प्रतिभाएं नहीं टूटतीं– भरोसा टूटता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-169 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 13 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

पेपर लीक का जहर और शिक्षा व्यवस्था का गिरता विश्वास

भारत में शिक्षा को हमेशा राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव माना गया है। एक गरीब मजदूर से लेकर मध्यम वर्गीय परिवार तक अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए दिन-रात मेहनत करता है। कोई खेत गिरवी रखता है, कोई कर्ज लेता है, तो कोई अपनी जरूरतों को मारकर बच्चों के सपनों को पंख देने का प्रयास करता है। विशेषकर मेडिकल जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। दिन-रात किताबों के बीच संघर्ष करते हुए वे अपने भीतर एक डॉक्टर बनने का सपना संजोते हैं। लेकिन जब परीक्षा से पहले ही पेपर लीक होने की खबरें सामने आती हैं, तब केवल एक परीक्षा नहीं टूटती, बल्कि लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों का विश्वास भी टूट जाता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

नीट परीक्षा को लेकर जिस प्रकार पेपर आउट और धांधली के आरोप सामने आए हैं, उसने पूरे देश को झकझोर दिया है। जिन अभिभावकों ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए लाखों रुपए कोचिंग, हॉस्टल और पढ़ाई पर खर्च किए, आज उनके चेहरे चिंता और निराशा से भरे हुए दिखाई दे रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि देश की सबसे बड़ी परीक्षा एजेंसियों में शामिल संस्थाएँ भी निष्पक्षता बनाए रखने में असफल हो रही हैं, तो फिर आम नागरिक किस पर भरोसा करे? आज स्थिति यह बन चुकी है कि शायद ही कोई भर्ती या प्रतियोगी परीक्षा ऐसी बची हो, जिस पर पेपर लीक या नकल माफियाओं का साया ना हो। शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, पटवारी परीक्षा, रीट परीक्षा और अब मेडिकल प्रवेश परीक्षा–हर जगह मेहनत और ईमानदारी कटघरे में खड़ी दिखाई दे रही है। सवाल यह है कि आखिर पेपर छपने से पहले ही बाजार में कैसे पहुंच जाते हैं? क्या यह केवल कुछ लोगों की गलती है? नहीं, यह पूरे सिस्टम में फैल चुके भ्रष्टाचार की भयावह तस्वीर है। देश एक ओर 'विश्व गुरु' बनने का दावा करता है, लेकिन दूसरी ओर शिक्षा में नकल और पेपर आउट का कारोबार फल-फूल रहा है। यह विडंबना ही है कि जिस शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्र का भविष्य गढ़ना था, वही व्यवस्था आज खुद शर्मसार होती दिखाई दे रही है। यदि डॉक्टर बनने की परीक्षा ही संदिग्ध हो जाए, तो सोचिए भविष्य में चिकित्सा व्यवस्था का क्या होगा? जो विद्यार्थी मेहनत के बजाय पैसे और धांधली के दम पर डॉक्टर बनेंगे, वे समाज की जिंदगी के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर सकते हैं।

आज शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार–तीनों क्षेत्र गंभीर संकट से गुजर रहे हैं। शिक्षा में भ्रष्टाचार, चिकित्सा में व्यवसायीकरण और रोजगार में धांधली ने युवाओं के भीतर असुरक्षा और अविश्वास का वातावरण पैदा कर दिया है। स्कूलों और कॉलेजों में प्रोफेशनल कोर्स के नाम पर भारी फीस वसूली जा रही है। प्रैक्टिकल और आंतरिक अंकों के नाम पर हजारों रुपए ऐंठे जाते हैं। पढ़ाई कम और दिखावा ज्यादा हो रहा है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है, लेकिन अंकों का प्रतिशत लगातार बढ़ता जा रहा है। आज ऐसे परिणाम सामने आते हैं, जहाँ विद्यार्थी ठीक से भाषा तक नहीं लिख पाता, लेकिन उसके अंक 95 से 100 प्रतिशत तक पहुँच जाते हैं। कभी ऐसा समय था जब शिक्षक परीक्षा परिणाम को 'सोने के भाव' तौलते थे। विद्यार्थी मेहनत करके अंक अर्जित करता था। लेकिन आज कई जगह अंक 'थोक के भाव' बंटते दिखाई दे रहे हैं। मार्कशीट चमक रही है, लेकिन ज्ञान कमजोर होता जा रहा है। यह शिक्षा का विकास नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता का पतन है। सबसे ज्यादा मानसिक पीड़ा उस ईमानदार और मेहनती विद्यार्थी को होती है, जो वर्षों तक संघर्ष करता है और फिर देखता है कि कोई दूसरा व्यक्ति पैसे और सिफारिश के दम पर सफलता हासिल कर लेता है। ऐसी घटनाएँ युवाओं के मन में निराशा और व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा करती हैं। धीरे-धीरे यह भावना समाज को अंदर से खोखला करती जाती है। जब ईमानदारी हारती दिखाई देती है, तब मेहनत करने वाले युवाओं का मनोबल टूटना स्वाभाविक है। सरकार और संबंधित एजेंसियों को अब केवल बयान देने से आगे बढ़ना होगा। परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पेपर लीक करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे अपराधों को केवल कानूनी गलती नहीं, बल्कि 'राष्ट्र के भविष्य के साथ विश्वासघात' माना जाना चाहिए। परीक्षा केंद्रों से लेकर पेपर प्रिंटिंग और वितरण तक हर स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी। इसके साथ ही अभिभावकों और समाज को भी समझना होगा कि बच्चों पर केवल अंक लाने का दबाव ना डालें। उन्हें ईमानदारी, नैतिकता और धैर्य का महत्व समझाना भी जरूरी है। क्योंकि सफलता का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह परिश्रम और सत्यनिष्ठा से प्राप्त हो।

अंततः यह समझना होगा कि पेपर लीक केवल एक खबर नहीं है, बल्कि लाखों सपनों की हत्या है। यदि शिक्षा व्यवस्था में ईमानदारी और पारदर्शिता स्थापित नहीं हुई, तो देश की प्रतिभा धीरे-धीरे व्यवस्था से भरोसा खो देगी। और जिस राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था बीमार हो जाए, उसका भविष्य कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

री-नीट की आशंका के बीच सुनील डांगी की पहल

कोटा, व सीकर छोड़ गांव लौटे विद्यार्थियों के लिए उम्मीद बना MDCL

चिड़ावा क्षेत्र में निःशुल्क कोचिंग, टेस्ट सीरीज और काउंसलिंग शुरू

निदेशक सुनील डांगी,
एमडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन चिड़ावा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

रजनीकांत मिश्रा । नीट परीक्षा से जुड़े पेपर आउट विवाद और संभावित री-नीट परीक्षा की चर्चाओं के बीच विद्यार्थियों और अभिभावकों में चिंता का माहौल बना हुआ है। कोटा, सीकर और जयपुर जैसे बड़े शहरों में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अनेक विद्यार्थी परीक्षा के बाद अपने गांव लौट आए हैं। ऐसे में दोबारा तैयारी को लेकर विद्यार्थियों के सामने मानसिक दबाव, आर्थिक संकट और संसाधनों की समस्या खड़ी हो गई है। इसी परिस्थिति में चिड़ावा क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायी पहल करते हुए एमडीसीएल (M D Career Line) ने विद्यार्थियों के हित में निशुल्क कोचिंग, टेस्ट सीरीज और काउंसलिंग कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। संस्थान के निदेशक सुनील डांगी ने बताया कि संभावित री-नीट परीक्षा को ध्यान में रखते हुए 14 मई 2026 से संस्थान परिसर में विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से निःशुल्क टेस्ट सीरीज और मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे।

विद्यार्थियों को मिलेगा परीक्षा जैसा वातावरण

एमडीसीएल प्रबंधन के अनुसार टेस्ट सीरीज में विद्यार्थियों को वास्तविक परीक्षा जैसा वातावरण प्रदान किया जाएगा, जिससे उनकी तैयारी निरंतर बनी रहे। नियमित अभ्यास से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा परीक्षा के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी।संस्थान ने यह भी स्पष्ट किया कि यह पहल केवल व्यवसायिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और ग्रामीण शिक्षा जनजागरण की भावना से शुरू की गई है।

ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की नई उम्मीद

री-नीट को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच एमडीसीएल की यह पहल चिड़ावा क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। स्थानीय स्तर पर निःशुल्क मार्गदर्शन और टेस्ट सुविधा मिलने से अब ग्रामीण प्रतिभाओं को आर्थिक और मानसिक दबाव से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध होता रहा, तो आने वाले समय में गांवों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान स्थापित करेंगी।

'गांव की प्रतिभाएं संसाधनों के अभाव में पीछे न रहें' – सुनील डांगी

संस्थान निदेशक सुनील डांगी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के अनेक विद्यार्थी कोटा और सीकर छोड़कर वापस गांव लौट आए हैं। ऐसे में यदि वे दोबारा बड़े शहरों में जाकर रहेंगे तो किसान और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एमडीसीएल का उद्देश्य केवल कोचिंग देना नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को आत्मविश्वास और सही दिशा देना है ताकि वे विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से भटकें नहीं। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अफवाहों और अनावश्यक तनाव से बचें तथा बच्चों को सकारात्मक वातावरण में तैयारी जारी रखने के लिए प्रेरित करें। संस्थान द्वारा विद्यार्थियों को नीट पैटर्न आधारित प्रश्नपत्र, समयबद्ध परीक्षा वातावरण, अनुभवी फैकल्टी का मार्गदर्शन और मानसिक काउंसलिंग सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

होम ट्यूशन से एमडी समूह तक का प्रेरक सफर

शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके सुनील डांगी का संघर्ष स्वयं ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणा का विषय है। किसान परिवार से निकलकर उन्होंने सीमित संसाधनों में शिक्षा का दीप जलाया और होम ट्यूशन से शुरुआत करते हुए आज एमडी समूह को शिक्षा जगत में नई पहचान दिलाई है।पूर्व में भी उनकी संघर्ष यात्रा को लेकर 'भीम प्रज्ञा' ने प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था, जिसमें यह बताया गया था कि कैसे ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को पलायन से रोकने और स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्होंने कोटा जैसे बड़े शिक्षा केंद्रों की राह छोड़ अपने क्षेत्र में शिक्षण अभियान शुरू किया। आज उसी सोच का परिणाम है कि चिड़ावा क्षेत्र के विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह गए हैं।

नोबल साइंस एकेडमी के ईशांत ने किया कमाल, 17.5 वर्ष की उम्र में I.B. में चयन

मिस्त्री पिता का बेटा बना प्रेरणा, चार सरकारी नौकरियों में सफलता

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

नोबल साइंस एकेडमी, पचेरी बड़ी के छात्र ईशांत जांगिड़ पुत्र संतोष जांगिड़, निवासी गांव थली, तहसील बुहाना का मात्र 17.5 वर्ष की उम्र में इंटेलिजेंस ब्यूरो ऑफ इंडिया (I.B.) में चयन हुआ है। ईशांत की इस उपलब्धि से परिवार, गांव और नोबल साइंस एकेडमी में खुशी का माहौल है। ईशांत के पिता संतोष जांगिड़ गांव में ही मिस्त्री एवं मकान निर्माण का कार्य करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद बेटे की मेहनत, लगन और अनुशासन ने परिवार का नाम रोशन किया है। पिता ने बेटे की सफलता पर गर्व जताते हुए कहा कि ईशांत ने छोटी उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर परिवार और गांव का मान बढ़ाया है। नोबल साइंस एकेडमी परिवार ने ईशांत जांगिड़ को इंटेलिजेंस ब्यूरो में चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नोबल शिक्षण समूह के डायरेक्टर इंजीनियर संदीप नेहरा ने बताया कि ईशांत का एक साथ चार सरकारी नौकरियों में चयन होना ग्रामीण क्षेत्र के

प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। ईशांत की सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो ग्रामीण परिवेश से आने वाले विद्यार्थी भी कम उम्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। गांव थली सहित पूरे क्षेत्र में ईशांत की इस उपलब्धि पर खुशी की लहर है।

'ईशांत की सफलता ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा' – इंजीनियर संदीप नेहरा

नोबल शिक्षण समूह के डायरेक्टर इंजीनियर संदीप नेहरा ने ईशांत जांगिड़ के इंटेलिजेंस ब्यूरो में चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि ईशांत ने कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर नोबल परिवार, अपने माता-पिता और गांव थली का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद ईशांत की मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी सही मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम से बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं। इंजीनियर संदीप नेहरा ने ईशांत को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक साथ चार सरकारी नौकरियों में चयन होना अत्यंत गर्व की बात है और यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी।

सिंघाना में वेदांत नर्सिंग सेंटर में मनाया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी । सिंघाना कस्बे के चिड़ावा रोड स्थित वेदांत नर्सिंग सेंटर में मंगलवार को आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्मदिवस अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में केक काटकर मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सिंग स्टाफ एवं गणमान्य नागरिकों ने नर्सों के सेवा भाव और समर्पण को सराहा। इस अवसर पर जिला ऑडिटर 108 पंकज पारीक ने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ होती हैं। उनके द्वारा मरीजों को दी जाने वाली देखभाल, सेवा और करुणा न केवल रोगियों को स्वस्थ करने में मदद करती है, बल्कि उन्हें मानसिक साहस भी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग सेवा मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। कार्यक्रम में पूजा, प्रियंका, करिश्मा, निरमा, किस्मत, मीनाक्षी, अनामिका, अंजु, मुकेश, मीना, अनिल गुर्जर, संदीप गुर्जर, नरेश कुमार सैनी, सुभाष, अजीत सिंह, दिनेश, अजय शर्मा, रमेश कुमार, कीर्तन, हेमंत यादव, मुकेश सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

झुंझुनूं पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 97 वाहन जब्त, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 35 चालक गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए झुंझुनूं पुलिस द्वारा जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर आईपीएस के निर्देशन तथा देवेन्द्र सिंह राजावत आरपीएस के मार्गदर्शन में 11 मई 2026 को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मोटर वाहन अधिनियम के तहत सघन चैकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 97 वाहनों को जब्त किया गया। वहीं शराब सेवन कर वाहन चलाकर आमजन के जीवन को खतरे में डालने वाले 35 वाहन चालकों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा

वाहनों पर अवैध रूप से गार्डर लगाकर चलाने, वाहनों में मॉडिफिकेशन करवाने तथा ब्लैक फिल्म लगाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की गई। झुंझुनूं पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों की पालना करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं और वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध मॉडिफिकेशन न करवाएं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

सिंघाना में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर बालाजी नर्सिंग सेंटर में विद्यार्थियों का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

सिंघाना कस्बे के आयुष चाइल्ड हॉस्पिटल के पास स्थित बालाजी नर्सिंग सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2025 की भर्ती में राजकीय सेवा में चयनित छात्राओं का सम्मान किया गया। संस्था निदेशक सुरेश गुर्जर ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी नर्स दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चयनित छात्राओं को माला पहनाकर एवं बैग भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।इस अवसर पर राजेश कसाना, अनिल डागर, विक्रम गुर्जर, बलवीर सिंह ढाका सहित अभिभावक, विद्यार्थी एवं ग्रामीण मौजूद रहें। कार्यक्रम में नर्सिंग क्षेत्र में सेवा भावना और समर्पण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन
रोग की जड़ तक पहुंचाने का पेशा

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन को ही सोनोग्राफर कहा जाता है। पैरामेडिकल क्षेत्र के ये पेशेवर कुछ विशेष उपकरणों की मदद से मरीजों के रोगग्रस्त अंगों की तस्वीरें लेते हैं। सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स (उच्च फ्रिक्वेंसी वाली ध्वनि तरंगें) उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

इसी तरह इस प्रक्रिया को संपन्न करने वाले पेशेवरों को सोनोग्राफर कहा जाता है। जिन सोनोग्राफरों के पास इमेजिंग और रक्त शिराओं का टेस्ट करने में विशेषज्ञता होती है, उन्हें वस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट कहा जाता है। सोनोग्राफी की जरूरत रोगी के शरीर (खासकर रोगप्रभावित अंग) को अंदर से देखने की यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें शरीर के साथ किसी भी तरह की चीर-फाड़ करने की जरूरत नहीं होती। सोनोग्राफी की इस खासियत के कारण इसका इस्तेमाल शरीर के कई अंगों मसलन पेट, स्तन, हृदय, रक्त नलिकाओं, प्रजनन संबंधी अंगों और पौरुष ग्रंथि आदि की जांच के लिए किया जाता है।

हृदय रोगों, हृदयाघात और नाड़ी संबंधी रोगों की पहचान और उनके उपचार में सोनोग्राफी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। यही नहीं कैंसर की जांच के लिए होने वाले बायोप्सी टेस्ट में भी सोनोग्राफी मददगार साबित हो रही है। कैंसर की आशंका वाले अंग में बीमारी का पता लगाने के लिए एक बारीक सुई की सहायता से संबंधित अंग से कोशिकाओं (सेल) का थोड़ा-सा नमूना लिया जाता है, जिसकी बाद में प्रयोगशाला में जांच की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान जब सुई को शरीर में प्रवेश कराया जाता है, तब सोनोग्राफी के माध्यम से ही देखा जाता है कि सुई तय स्थान पर पहुंच रही है या नहीं। स्पेशलाइजेशन के क्षेत्र (सोनोग्राफी में) ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिक सोनोग्राफी एब्डोमिनल सोनोग्राफी (लीवर, किडनी, गालब्लैडर और पैनक्रियाज) न्यूरोसोनोग्राफी (मस्तिष्क) ब्रेस्ट सोनोग्राफी वस्कुलर सोनोग्राफी (ब्लड वेसल्स) कार्डियक सोनोग्राफी (हर्ट) सोनोग्राफर का काम अस्पताओं, नर्सिंग होम और तमाम छोटे-बड़े चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफर को नियुक्त किया जाता है। वहां वह अपने नियोक्ता संस्थान की जरूरत के अनुसार डायग्नोस्टिक इमेजिंग डिपार्टमेंट, ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू (इंटेंसिव केअर यूनिट) आदि में डॉक्टरों और नर्सो के साथ काम करना होता है। उनके काम का मुख्य हिस्सा होता है,

सोनोग्राफी के लिए उपकरणों को व्यवस्थित करना और मरीजों को सही पोजिशन में आने के लिए निर्देशित करना, ताकि बेहतर जांच रिपोर्ट मिल सके। इसके अलावा वह सोनोग्राफी के दौरान स्क्रीन पर यह भी देखते हैं कि रोगी के जिस अंग का चित्र (इमेज) लिया गया है, उससे रोग की पहचान संभव होगी या नहीं। वह लिए गए कई चित्रों में से उन्हीं चित्रों को अंतिम रूप से चुनते हैं, जिनके आधार पर डॉक्टर मरीज में रोग के होने या न होने के निष्कर्ष तक पहुंच सकें। सोनोग्राफर को अपने मूल कार्यो के अलावा कुछ अतिरिक्त कार्य भी करने होते हैं। इनमें रोगियों के रिकॉर्ड को रखना, उपकरणों का रख-रखाव और मरीजों को जांच के लिए समय देना आदि शामिल होता है। कई बार उन्हें पूरे डायग्नोस्टिक इमेजिंग विभाग के प्रबंधन संबंधी कार्यो को भी देखना होता है।

योग्यता

देश के कई शिक्षण संस्थानों में सोनोग्राफी के पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। यहां से सर्टिफिकेट से लेकर बैचलर डिग्री तक हासिल की जा सकती है। सोनोग्राफर बनने के लिए संबंधित विषय क्षेत्र में कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स पास होना जरूरी है।

जरूरी गुण

» निरीक्षण करने की बेहतर दृष्टि
» अच्छा संवाद कौशल
» मरीजों के प्रति नरम रवैया
» लंबे समय तक काम करने की शारीरिक क्षमता
» अपने क्षेत्र की नई तकनीकों की जानकारी धैर्य और सहनशीलता
» रोगियों का विश्वास जीतने का हुनर

चुनौतीपूर्ण पेशा है मसाज थेरेपिस्ट

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के लिए खुलकर सांस ले पाना भी मुश्किल हो गया है। बढ़ती स्पर्धा के कारण कम या ज्यादा तनाव का रहना भी रोजमर्रा की बात हो गई है। दैनिक जीवन से जुड़ी इन थका देने वाली समस्याओं से पार पाने के लिए लोग नए उपायों को तलाश रहे हैं। मसाज ऐसा ही एक उपाय है, जो व्यक्ति को आराम पहुंचाकर उसे फिर से ऊर्जा से भर देता है। अगर आप उपचार की वैकल्पिक पद्धतियों में विश्वास करते हैं और अपने हाथों से काम करने में खुशी महसूस करते हैं, तो आप मसाज थेरेपिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं।

मसाज की शुरुआत

उपचार की एक विधा के रूप में मसाज के प्रयोग का आरंभ जिन परंपराओं और तकनीकों से हुआ, उनके प्रमाण प्राचीन इतिहास में मिलते हैं। भारत में मसाज थेरेपी की शुरुआत करीब तीन हजार ईसा पूर्व में हुई थी। आधुनिक समय में मसाज के लाभकारी प्रभावों को नए सिरे से तलाशा जा रहा है। मसाज थेरेपी की उपयोगिता के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस वजह से वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाओं पर आधारित उद्योग क्षेत्र (वेल्नेस इंडस्ट्री) के दायरे में भी वृद्धि हुई है। नतीजा पेशेवर मसाज थेरेपिस्टों की मांग भी पैदा हो रही है।

पेशे के रूप में मसाज थेरेपिस्ट के काम को देखें, तो यह एक ऐसा कार्य है, जो अच्छी कमाई के साथ-साथ क्लाइंट (मसाज कराने वाले) से दुआएं और शुभकामनाएं पाने का मौका देता है। लोग किसी मसाज थेरेपिस्ट के पास इसलिए जाते हैं, ताकि वह तनाव और चिंता से मुक्त होकर शारीरिक और मानसिक सुकून हासिल कर सकें। उम्मीद के मुताबिक मसाज थेरेपिस्ट की सेवा का लाभ मिलने पर क्लाइंट खुद को इतना आनंदित महसूस करते हैं कि संबंधित थेरेपिस्ट के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करने लगते हैं।

मसाज थेरेपिस्ट का कार्य

मसाज के दौरान उंगुलियों, हथेलियों और कोहनी का इस्तेमाल करके क्लाइंट के शरीर की मालिश की जाती है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है, तंत्रिकाओं की सक्रियता बढ़ती है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। इन लाभों की वजह से ही मसाज थेरेपी का प्रयोग तनाव, थकान, पुरानी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण शरीर को पहुंची चोटों के ईलाज में किया जाता है। मसाज थेरेपिस्ट अपना काम शुरू करने से पहले मसाज के लिए आने वाले मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री, खानपान और जीवनशैली से जुड़ी आदतों का अध्ययन करते हैं। फिर अपने निष्कर्षो के आधार पर थेरेपिस्ट संबंधित क्लाइंट के लिए उपचार की एक योजना (ट्रीटमेंट प्लान) तैयार करते हैं। क्लाइंट के शारीरिक लक्षणों और उपचार के प्रभाव को देखते हुए वह उपचार योजना में बदलाव भी करते हैं। मसाज के लिए थेरेपिस्ट कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। कभी वह क्लाइंट के तनाव को कम करने के लिए मसाज के दौरान शरीर के कुछ भागों पर अतिरिक्त दबाव देते हैं, तो कभी खास औषधीय गुण वाले तेलों का प्रयोग करते हैं। रोग की प्रकृति के अनुसार मसाज थेरेपी की अवधि भी अलग-अलग होती है। यह कुछ महीने से लेकर सालभर तक हो सकती है। उपचार के बाद थेरेपिस्ट अपने क्लाइंट को बेहतर दिनचर्या और स्वास्थ्य के लिए जरूरी सलाह भी देते हैं। वह क्लाइंट के स्वास्थ्य और उपचार से संबंधित विस्तृत रिकॉर्ड भी रखते हैं, जो जरूरत के समय क्लाइंट के डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट के लिए मददगार साबित होते हैं। यह पेशा काम के लंबे घंटों की मांग करता है। क्लाइंट की आवश्यकता और उनकी संख्या के अनुसार लगातार घंटों तक काम करना पड़ सकता है। कई बार साप्ताहिक अवकाश और शाम के समय भी काम करना पड़ जाता है। आमतौर पर किसी एक क्लाइंट के मसाज पर 45 मिनट से दो घंटे तक का वक्त देना पड़ता है। समय की यह अवधि क्लाइंट की चिकित्सकीय जरूरत पर निर्भर करती है।

रोजगार के अवसर

मसाज थेरेपिस्ट को स्पा, ब्यूटी सलून, हॉलिस्टिक हेल्थ क्लिनिक, फिटनेस सेंटर में नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा उन्हें खिलाड़ियों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए खेल टीमों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी रखा जाता है। नौकरी करने का मन न होने पर मसाज थेरेपिस्ट स्वतंत्र रूप से भी काम कर सकते हैं। अपनी इस भूमिका में वह क्लाइंट के घर जाकर या उसके कार्यस्थल पर पहुंचकर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

मसाज के हैं कई प्रकार

» अरोमाथेरेपी मसाज » थाई मसाज » हॉट स्टोन मसाज
» आयुर्वेदिक मसाज » रिफ्लेक्सोलॉजी शिअत्सु

आसान नहीं चॉकलेट-टेस्टर का जॉब

सोचिए, अगर हर दिन आपको चॉकलेट टेस्ट करने को मिले और इसके लिए आपको पैसा भी मिले, तो कितना मजा आए! चॉकलेट टेस्टर ऐसे ही प्रोफेशनल होते हैं, जिनका काम अलग-अलग फ्लेवर के चॉकलेट्स को चखना होता है। खाने की कोई चीज टेस्ट करना स्वाद के शौकीनों के लिए हमेशा से आकर्षक होता है। ऐसे में, जिन्हें चॉकलेट से लगाव है, वे चॉकलेट टेस्टर के रूप में करियर संवार सकते हैं।

हालांकि चॉकलेट टेस्टर सिर्फ चॉकलेट का स्वाद ही नहीं जांचता, वह विभिन्न कैंडीज की जांच भी करता है कि उनमें चॉकलेट की कोटिंग की चमक-दमक सही है या उसमें किसी तरह की दरार तो नहीं है। साथ ही, वह चॉकलेट की महक को भी चेक करता है। टेस्टर चॉकलेट की बाइट लेकर कुछ सेकंड के लिए मुंह में रखता है और घुलने के देकर उसका पूरा फ्लेवर लेता है। वह इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि घुलने के बाद चॉकलेट पूरे मुंह में फैल जाती हो, सिर्फ एक तरफ न रहती हो। मगर यह इतना टेस्टी मामला भी नहीं होता। चॉकलेट टेस्टर को कई बार खराब चॉकलेट भी टेस्ट करना पड़ जाता है!

कई बार टेस्टर दिन भर किसी छोटे-से कमरे में बंद रहता है और वहां लाल लाइट जलती रहती है, ताकि उसे चॉकलेट की पहचान न हो पाए और वह सही मूल्यांकन कर सके। एख टेस्टर को दिन भर में 25 से 30 तरह के चॉकलेट टेस्ट करने पड़ सकते हैं। सोचिए, जीभ की क्या हालत होती होगी! चॉकलेट टेस्टिंग वास्तव में एक कला है, जो नियमित अभ्यास मांगती है। इसके बाद ही कोई इसमें कुशलता हासिल कर सकता है।चॉकलेट एक ऐसा उत्पाद है, जिसका बाजार कभी खत्म नहीं हो सकता। चॉकलेट टेस्टिंग अब एक बेहतर प्रोफेशन का रूप ले चुका है। अगर आप चॉकलेट टेस्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कुछ स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग हासिल करनी होगी। किसी संस्थान से कोर्स करने के बाद आप किसी एक्सपर्ट चॉकलेटियर के साथ ट्रेनी के रूप में जुड़ सकते हैं, ताकि इस फील्ड में और अनुभव हासिल हो। इसके बाद आप किसी चॉकलेट प्रोडक्शन कंपनी में जॉब कर सकते हैं।

स्किल - उम्मीदवार को चॉकलेट के फ्लेवर, टेक्सचर, वह कैसे मेल्ट, मोल्ड और टैम्पर होती है, इसकी जानकारी होनी चाहिए। उसके पास बेसिक कुकिंग स्किल तथा धैर्य होना चाहिए। साथ ही उसे खुले दिमाग का होना चाहिए। उसे बारीकी पर ध्यान देना आना चाहिए। अपने काम के प्रति पैशन होना बहुत जरूरी है।

कोर्स - भारत में चॉकलेट टेस्टर के लिए स्पेशलाइज्ड कोर्स चलाने वाले कुछ ही संस्थान हैं। इन कोर्से के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है। वैसे अब ग्रेजुएशन के बाद किए जाने वाले कई कोर्स भी उपलब्ध हैं। 12वीं के बाद आप न्यूट्रिशन एंड फूड टेक्नोलॉजी या अप्लाइड साइंस इन फूड टेक्नोलॉजी का कोर्स कर सकते हैं, जिसके तहत चॉकलेट के सिलेक्शन, प्रिजर्वेशन, प्रोसेसिंग, पैकेट डिस्ट्रिब्यूशन, न्यूट्रिशन आदि की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज के तहत विद्यार्थी को योरप, अमेरिका आदि की चॉकलेट्स की विभिन्न वैरायटी, चॉकलेट का इतिहास, कोको बीन्स, टेस्टिंग, चॉकलेट के एडेड फ्लेवर्स, डिपिंग, टेम्परिंग, मोल्डिंग, डेकोरेटिंग आदि की जानकारी दी जाती है।

सैलरी - शुरूआती दौर में चॉकलेट टेस्टर को 20,000 रुपए महीने की सैलरी मिल सकती है। उसके बाद अनुभव एवं काम के आधार पर यह बढ़ती जाती है। अगर विदेश जाते हैं, तो और भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

मंडावा में जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, उत्कृष्ट कार्य पर प्रगणक अरविंद रेवाड़ सम्मानित

16 मई से शुरू होगी जनगणना-2027, मंडावा तहसील में तैयारियां जोरों पर

स्वगणना अभियान में प्रगणकों की सक्रिय भागीदारी से प्रशासन उत्साहित

मास्टर ट्रेनर अनिल कुमार आर्य, सरिता चाहर ने दिया प्रशिक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आगामी जनगणना-2027 को लेकर मंडावा तहसील में तैयारियां तेज गति से चल रही हैं। 16 मई से शुरू होने वाली जनगणना प्रक्रिया के मद्देनजर तहसील स्तर पर 1 मई से जनगणना कार्मिकों का गहन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना चार्ज अधिकारी एवं तहसीलदार मंडावा डॉ. सुरेंद्र भास्कर द्वारा पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को लगातार आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने सभी जनगणना कार्मिकों को अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में समय-समय पर स्वगणना कार्य करवाने के लिए प्रेरित किया। उनके निर्देशन और प्रेरणा का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। कई प्रगणकों ने अपने-अपने ब्लॉकों में स्वगणना कार्य को गति देते हुए उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इसी क्रम में ब्लॉक संख्या-2 के प्रगणक राजकुमार, ब्लॉक संख्या-101 के प्रगणक आनंद डांगी तथा ब्लॉक संख्या-128 के प्रगणक अरविंद रेवाड़ ने अपने आवंटित क्षेत्रों में स्वगणना कार्य पूर्ण कर उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। विशेष रूप से प्रगणक अरविंद रेवाड़ ने प्रशिक्षण शुरू होने से एक दिन पूर्व ही अपने ब्लॉक में स्वगणना कार्य पूरा कर सक्रियता और जिम्मेदारी का परिचय दिया।

अरविंद रेवाड़ की सराहनीय कार्यशैली से प्रभावित होकर तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने उन्हें साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी जनगणना कार्मिकों को अधिक से अधिक स्वगणना करवाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जनगणना जैसा राष्ट्रीय महत्व का कार्य सभी की जिम्मेदारी और सक्रिय सहभागिता से ही सफल हो सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ब्लॉकों की प्रगति और फीडबैक भी लिया गया। समीक्षा में सामने आया कि अन्य क्षेत्रों में भी स्वगणना कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग और मार्गदर्शन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्य मास्टर ट्रेनर अनिल कुमार आर्य, सरिता चाहर द्वारा किया जा रहा है।

देव कोचिंग क्लासेस, सिंघाना ने मनाया 10वां स्थापना दिवस और अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके 'देव कोचिंग क्लासेस, सिंघाना' के लिए आज का दिन दोहरी खुशियों वाला रहा। संस्था ने अपना 10वां स्थापना दिवस और अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस एक साथ अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया।इस विशेष अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्था के निदेशक हंसराज गुर्जर ने बच्चों और अपनी पूरी टीम के साथ खुशियां बांटीं। समारोह को संबोधित करते हुए गुर्जर ने कहा, 'एक दशक का यह सफर केवल संस्थान की प्रगति नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति हमारे अटूट समर्पण और छात्र-छात्राओं के विश्वास का प्रतीक है। नर्सिंग दिवस और स्थापना दिवस का एक साथ होना, हमारे सेवा और शिक्षा के संकल्प को और अधिक दृढ़ करता है। 'कार्यक्रम के दौरान निदेशक हंसराज गुर्जर के साथ उनकी कोर टीम के सदस्य—ओमवीर शर्मा, राहुल भारद्वाज, मनोज यादव सोहली, हेमंत स्वामी और विक्रम गुर्जर—ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। टीम के सदस्यों ने बच्चों के साथ केक काटकर स्थापना दिवस की बधाई दी और उन्हें भविष्य में सफलता के शिखर तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया।एक दशक की इस गौरवशाली यात्रा में देव कोचिंग क्लासेस ने क्षेत्र के हजारों बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके करियर को नई दिशा दी है। स्थापना दिवस के इस जश्न में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। संस्थान ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को निरंतर बनाए रखने का संकल्प दोहराया।

स्व. दलीप कुमार की प्रथम पुण्यतिथि पर विद्यार्थियों को बांटी स्टेशनरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मालियो की बगीची चिड़ावा में स्वर्गीय दलीप कुमार की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके परिजनों द्वारा सेवा कार्य कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस पावन स्मृति में उनके पुत्र कपिल कुमार एवं ऋषिकेश कुमावत ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए कक्षा एक से आठ तक के समस्त विद्यार्थियों को निःशुल्क स्टेशनरी वितरित की। प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार वर्मा की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में दलीप कुमार के परिजनों ने बच्चों को उपहार स्वरूप कॉपी, पेंसिल और अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री भेंट की। स्टेशनरी पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान विद्यालय परिवार की ओर से भामाशाह ऋषिकेश कुमावत का गर्मजोशी से स्वागत किया गया एवं उनकी इस पहल हेतु आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार वर्मा के साथ निरंजन लाल शर्मा, सुभाष चंद्र, सत्यवीर, मनी देवी, कपिल कुमार, राजवीर नेहरा, परमानंद, सीमा कुमारी, प्रवीण कुमार, निधि, विकास, सुमन, सुभाष चंद्र सैनी, कोमल जोशी, सुरेश, कार्तिक, अजय वर्मा एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

राजकीय नर्सिंग कॉलेज में मनाया अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस, स्वास्थ्यकर्मियों ने किया रक्तदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल परिसर स्थित राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग रहे। इस अवसर पर नर्सिंग विद्यार्थियों, चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल के सेवा भाव को याद करते हुए मानवता की सेवा का संकल्प लिया।कार्यक्रम से पूर्व बीडीके अस्पताल में मातृत्व दिवस के तहत बेटी को जन्म देने वाली महिलाओं को जिला कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं बेबी किट भेंट किए गए। इसके बाद जिला कलेक्टर ने एमसीएच विंग के द्वितीय तल पर स्थित राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय में नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई फ्लोरेंस नाइटिंगेल की रंगोली का अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि नर्सिंग सेवा जनसेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। नर्सिंगकर्मी रोगियों की सेवा में दिन-रात समर्पित रहते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य को नाम और पहचान से ऊपर उठकर मानवता के भाव से करना चाहिए। बढ़ती बीमारियों के दौर में चिकित्सा क्षेत्र में लगातार चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे में नर्सिंगकर्मियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने कहा कि रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में नर्सेज की निरंतर मॉनिटरिंग अहम भूमिका निभाती है। अस्पताल परिसर में नर्सिंग महाविद्यालय होने से अध्ययन, अध्यापन और रोगी सेवा तीनों कार्य एक साथ सुचारू रूप से हो पा रहे हैं। नर्सिंग प्राचार्य डॉ. आबिदा खान ने नर्सिंग विद्यार्थियों को मानवता की सेवा की शपथ दिलाई।कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट अध्ययन करने वाले नर्सिंग विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद नारोलिया द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजना चौधरी ने किया। इस अवसर पर जीएमसी प्राचार्य डॉ. राकेश साबू, सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर, एसडीएम कौशल्या विश्नोई, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. विजय झाझड़िया, डॉ. प्रियंका शेखसरिया, सुमन ओला, पूनम भास्कर, पूनम डांगी सहित अनेक अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंगकर्मी एवं विद्यार्थी मौजूद रहें। अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस के अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा रक्तदान भी किया गया। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. दुष्यंत बसेरा ने नर्सेज के रोगी सेवा कार्य की सराहना करते हुए रक्तदान को मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम बताया। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने चिकित्साकर्मियों द्वारा चिकित्सा सेवा के साथ रक्तदान कर जीवनदान देने की भावना को प्रेरणादायी बताया तथा आमजन से ट्रॉमा मरीजों, प्रसूताओं और अन्य जरूरतमंद रोगियों के लिए स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस पर कुल 21 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ। यह रक्त ट्रॉमा मरीजों, प्रसूताओं और अन्य जरूरतमंद रोगियों के उपचार में उपयोगी साबित होगा। इस दौरान वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी सुरेश मील, प्यारेलाल, सुभाष, श्यामसुंदर सहित चिकित्सा विभाग के अनेक कर्मचारी उपस्थित रहें।

शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति की कार्यकारिणी का विस्तार: चन्द्र प्रकाश धूपिया सलाहकार प्रमुख और फैयाज अहमद खान उपाध्यक्ष मनोनीत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति ने अपने संगठन को मजबूती देने के लिए कार्यकारिणी का विस्तार किया है। समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि वरिष्ठ सदस्य चन्द्र प्रकाश धूपिया को सलाहकार मण्डल प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, कर्मठ कार्यकर्ता फैयाज अहमद खान (नूआं) को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है।अग्रवाल के अनुसार, 'झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन' जन संघर्ष अभियान के तहत भविष्य में एक बड़ा आंदोलन छेड़ा जा सकता है। इसी के मद्देनजर जिले के विभिन्न कस्बों में संगठन का जाल बिछाया जा रहा है। समिति जल्द ही मंडावा, बिसाऊ, मलसीसर, मण्ड्रेला, पिलानी, चिड़ावा, सिंघाना, सूरजगढ़, बुहाना, खेतड़ी, जसरापुर, चनाना, सुलताना, बगड़, इस्लामपुर, उदयपुरवाटी, गुढ़ा, नवलगढ़ एवं मुकुन्दगढ़ में गैर राजनीतिक व्यक्तियों को नगर मण्डल अध्यक्ष नियुक्त करेगी। प्रत्येक नगर मण्डल में 25-25 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन होगा। संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है: शहर में प्रत्येक वार्ड से 50 पुरुष और 50 महिलाओं को समिति से जोड़ा जाएगा। जल्द ही समिति के पृथक महिला मोर्चे का गठन किया जाएगा। आगामी दिनों में 31 सदस्यीय संरक्षक मण्डल के साथ-साथ सांस्कृतिक, सतर्कता एवं जागरुकता प्रकोष्ठ की भी घोषणा की जाएगी।

जालावास मनेठी में 18 मई को लगेगा बाबा जांट वाले का तृतीय विशाल मेला एवं भंडारा

कलश यात्रा, हवन-यज्ञ, रागनी प्रतियोगिता और देसी घी के भंडारे का होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चंद । मुंडावर तहसील के ग्राम जालावास मनेठी स्थित श्री श्री 1008 श्री बाबा जांट वाले एवं हनुमान जी महाराज मंदिर पर 18 मई 2026, सोमवार को तृतीय विशाल मेला व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर विकास समिति एवं समस्त ग्रामवासियों की ओर से आयोजित इस धार्मिक आयोजन में मशहूर कलाकारों द्वारा रागनी कम्पीटीशन प्रोग्राम मुख्य आकर्षण रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत 17 मई, रविवार को होगी। प्रातः 6:30 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसके बाद 7:30 बजे से रामायण पाठ का आयोजन होगा। 18 मई को मुख्य मेले के दिन प्रातः 7:30 बजे हवन-यज्ञ, 10:00 बजे प्रसादी वितरण और 10:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रागनी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए देसी घी का विशाल भंडारा प्रसाद की विशेष व्यवस्था रहेगी। आमंत्रित कलाकारों में संजय पटेल एण्ड पार्टी के संजय पटेल, राजू गोला, कंचन यादव और भावना भाटी अपनी मनोहारी प्रस्तुतियां देंगे। मंदिर विकास समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार पधारकर बाबा के दर्शन, मेले और भंडारे का लाभ उठाने की अपील की है।

गुवाहाटी दौरे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिला लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद पूर्वोत्तर का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के असम की राजधानी गुवाहाटी पहुंचने पर प्रवासियों द्वारा अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान फाउंडेशन पूर्वोत्तर के अध्यक्ष रतन शर्मा ने की। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद पूर्वोत्तर के अध्यक्ष विशाल भातरा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र स्थित धाभाइयों की ढाणी में उनकी पुश्तैनी जमीन पर कथित रूप से भू-माफियाओं एवं अनैतिक तत्वों द्वारा कागजों में हेरफेर कर अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की गई।प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।प्रतिनिधिमंडल में पूर्व अध्यक्ष बिनोद जसरासरिया, सलाहकार एवं प्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, वरिष्ठ संपादक चंद्र प्रकाश शर्मा, युवा पार्षद सौरभ झुनझुनवाला, पत्रकार सम्पत मिश्रा, उपाध्यक्ष आदर्श शर्मा, मंत्री प्रियंक जालान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने डॉ श्रवण कुमार ढाका को फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से किया सम्मानित

दंतुजला गांव के ग्रामीणों ने जताई प्रसन्नता मिठाई वितरित कर किया खुशी का इजहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

दन्तुजला गांव निवासी डॉ श्रवण कुमार ढाका को नर्सिंग क्षेत्र में विशेष उपलब्धि व डॉक्टरेट की उपाधि हासिल करने पर भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ ढाका को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित करने के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण ग्रामीणों ने देखा तथा मिठाई वितरित कर खुशी का इजहार कर प्रसन्नता जताई। डॉ ढाका विशेष पुरस्कार से सम्मानित होने पर विद्यालय परिवार व शुभचिंतकों ने मिठाई वितरण कर खुशी मनाई। यह जानकारी देते हुए शिक्षक नेता हरलाल सिंह महरिया ने बताया कि नर्सिंग क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले केन्द्र सरकार के नीजि व सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले नर्सिंग कर्मियों को राष्ट्रपति द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है जो 1973 में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया था।श्री ढाका वर्तमान में दिल्ली में जिला मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी जिला नोर्थ ईस्ट में कार्यरत हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य , उप प्राचार्य बनवारीलाल ढुकिया, सुरेश कस्वां, राजेश बियाणी, सुरेश पचार, संतरा गढ़वाल, रघुवीर महरिया, ताराचंद सुण्डा, कमला ढुकिया, कमला जाखड़, सुमित्रा चौधरी,रामचन्द्र भास्कर, रामलाल ढाका, पूर्व प्रधानाचार्य ओमप्रकाश ढाका, गोपाल सिंह ढाका, डॉ राजेन्द्र महरिया, सुभाष ढाका, शिशपाल भाट सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहें।

जनगणना-2027 की तैयारी तेज, मंडावर तहसील में प्रगणकों-सुपरवाइजरों को दिया मैदानी प्रशिक्षण

16 मई से 14 जून तक घर-घर होगा मकान सूचीकरण कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । आगामी जनगणना 2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां अब तेज होती नजर आ रही हैं। मंडावर तहसील परिक्षेत्र में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के मकान सूचीकरण कार्य के लिए प्रगणकों व पर्यवेक्षकों के तृतीय बैच का प्रशिक्षण तहसील भवन स्थित सभागार कक्ष में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य से जुड़े तकनीकी, कानूनी और मैदानी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि फील्ड में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं रहे और प्रत्येक परिवार का सही आंकड़ा सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हो सके। प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनर पूरणमल गुप्ता एवं इंद्रेश कुमार पालीवाल, दोनों व्याख्याता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावर, ने प्रगणकों को जनगणना 2027 की मूल अवधारणा, कानूनी प्रावधान, ले-आउट मैप तैयार करने की प्रक्रिया, जनगणना में प्रयुक्त अवधारणाएं एवं परिभाषाएं, HLO ऐप में अनुसूची भरने की विधि, ऐप इंस्टॉलेशन, स्वगणना प्रक्रिया, उत्तर प्रविष्टि, ऐप उपयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां तथा CMMS प्रणाली की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान रोल प्ले के माध्यम से मैदानी परिस्थितियों का अभ्यास भी कराया गया, जिससे प्रगणकों को वास्तविक कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने का व्यावहारिक अनुभव मिल सके।

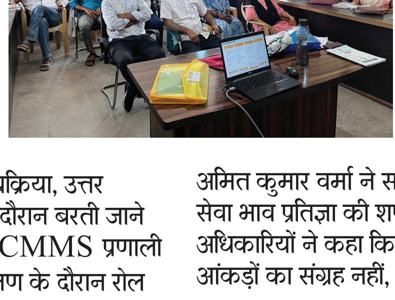

प्रशिक्षण सत्र के समापन पर तहसीलदार अक्षयप्रेम चेयरवाल एवं उपखंड अधिकारी अमित कुमार वर्मा ने सभी संभागियों को सेवा भाव प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की बुनियादी प्रक्रिया है। गांवों से लेकर शहरों तक विकास योजनाओं की दिशा और सरकारी संसाधनों का निर्धारण इन्हीं आंकड़ों के आधार पर होता है। ऐसे में प्रगणकों की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें निष्पक्ष, पूर्वाग्रह रहित एवं निस्वार्थ भाव से कार्य करना होगा। अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से भी अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग स्वगणना प्रक्रिया से जुड़ें, ताकि सटीक और पारदर्शी डेटा तैयार हो सके। वहीं ᳚ सुशील कछावा ने बताया कि मंडावर तहसील क्षेत्र में आयोजित तीन बैचों के प्रशिक्षण में कुल 91 प्रगणकों एवं 14 सुपरवाइजरों ने भाग लिया। यह सभी कार्मिक 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक फील्ड में रहकर मकान सूचीकरण का कार्य संपादित करेंगे।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ लक्षमनगढ का विरोध प्रदर्शन 14 को

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (स्कूल शिक्षा) द्वारा राज्य स्तर पर लिए गए निर्णयों के अनुसरण में खंड लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष ओमप्रकाश भास्कर की अध्यक्षता में राजस्थान शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मनमानी शिक्षा विरोधी नीतियों के विरुद्ध तथा शिक्षक एवं शिक्षा विभाग की विभिन्न उचित मांगों, जैसे तृतीय श्रेणी, द्वितीय श्रेणी सहित समस्त कर्मचारियों के समयबद्ध स्थानान्तरण,समस्त श्रेणियों के समय पर पदोन्नति, पदोन्नत संवर्गों की काउंसलिंग, पदस्थापन,शिक्षकों को शिक्षा से इतर कार्यों से छुटकारा, वेतन विसंगति 2006के शिक्षक एवं प्रबोधक वेतन विसंगति सहित एवं ग्रीष्मावकाश की वृद्धि जैसी अनेकों उचित मांगों को लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (स्कूल शिक्षा) खंड लक्ष्मणगढ़ द्वारा 14मई को दोपहर 1.30 बजे विरोध प्रदर्शन करते हुए उपखंड अधिकारी लक्ष्मणगढ़ को ज्ञापन दिया जायेगा। संगठन पदाधिकारी रणवीर सिंह गढ़वाल ने सभी संवर्गों प्रधानाचार्य, उपप्रधानाचार्य, व्यख्याता, तृतीय श्रेणी शिक्षक, द्वितीय श्रेणी शिक्षक प्रबोधक, एवं मंत्रालयिक कर्मचारियों से प्रदर्शन को सफल की अपील की है।

भादरा घटना को लेकर उदयपुरवाटी विप्र समाज में रोष

किशोर से मारपीट के विरोध में प्रदर्शन, दोषियों की गिरफ्तारी की उठाई मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । हनुमानगढ़ जिले के भादरा कस्बे में एक किशोर के साथ हुई मारपीट की घटना के विरोध में मंगलवार को उदयपुरवाटी में विप्र समाज के लोगों ने प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। समाज के प्रतिनिधियों ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि भादरा के मलसीसर बस स्टैंड पर बस किराए को लेकर हुए विवाद में 16 वर्षीय रजत शर्मा के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। घटना के बाद से किशोर अस्पताल में भर्ती है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।विप्र समाज ने प्रशासन से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और मामले में लापरवाही बरतने वाले संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही पीड़ित के इलाज का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाने, परिवार को आर्थिक सहायता देने तथा सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। समाज के लोगों ने कहा कि ऐसी घटनाएं सामाजिक माहौल को खराब करती हैं, इसलिए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान विप्र समाज अध्यक्ष गौतम मारवाल, परमानंद, हरि प्रसाद शर्मा, रामरतन शर्मा, कमलेश दाधीच, रवि दाधीच, श्रवण मारवाल, संजीव शर्मा, रमाकांत महाराज सहित कई लोग मौजूद रहें।

जाट बहरोड़ के श्री नवनाथ मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा संपन्न, भंडारे व रागनी प्रतियोगिता में उमड़े श्रद्धालु

महाराज फूलनाथ की प्रेरणा से असामाजिक तत्वों के अड्डे से बना आस्था का केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । क्षेत्र के प्रसिद्ध नवनाथ मंदिर, जाट बहरोड़ में आयोजित पांच दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का सोमवार को धार्मिक एवं श्रद्धामय वातावरण में समापन हुआ। कथा सम्पन्न होने के उपरांत मंगलवार को विशाल भंडारे तथा रागनी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भंडारे में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की और रागनी प्रतियोगिता का भरपूर आनंद लिया। इस धार्मिक आयोजन में फ़ौलादपुर, सानोली, ईश्वरसिंहपुरा, जालावास, मोलावास, नीमराणा, काली पहाड़ी, भुनगड़ा अहीर,

करनीकोट, मुंडनवाड़ा कलां एवं मुंडनवाड़ा खुर्द सहित समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं ने बताया कि महाराज फूलनाथ के सानिध्य एवं प्रेरणा से इस मंदिर का निर्माण किया गया। इस मंदिर ने क्षेत्र के लोगों को भाईचारे और सामाजिक एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया है। ग्रामीणों के अनुसार एक समय में यह स्थान असामाजिक तत्वों का अड्डा माना जाता था, लेकिन आज यह क्षेत्र श्रद्धा, आस्था और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। पांच दिवसीय कथा के दौरान मंदिर परिसर में दिन-रात भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों की धूम रही। श्रद्धालुओं ने महाराज फूलनाथ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से पूरे क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है।

तिजारा-पालपुर रोड पर कुएं में मिली नवजात बच्ची, युवक ने जान पर खेलकर बचाई जान

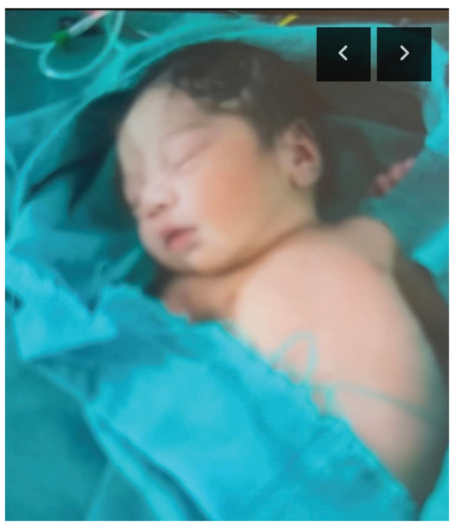

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चंद । तिजारा-पालपुर रोड पर मंगलवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक कुएं में नवजात बच्ची जिंदा फेंकी हुई मिली। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए मासूम की जान बचा ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पालपुर रोड स्थित एक कुएं से बच्ची के रोने की आवाज आ रही थी। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत कुएं के पास पहुंचे। हालात की गंभीरता को देखते हुए एक युवक ने अपनी जान जोखिम में डालकर रस्सी के सहारे कुएं में उतरने का साहस दिखाया। युवक ने सूझबूझ से नवजात को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

कुएं से बाहर निकाले जाने के बाद बच्ची को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। नवजात को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने इस अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और बच्ची को कुएं में फेंकने वाले अज्ञात लोगों की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बच्ची की जान बचाने वाले युवक के साहस की जमकर सराहना की है। प्रशासन ने भी युवक के जज्बे को सलाम किया है।

महवा के अमोलक नगर में डकैती की साजिश नाकाम, हरियाणा का शूटर पिस्टल समेत दबोचा

बारात से लौटे परिवार की सतर्कता से खुला अन्तरराज्यीय गैंग का राज,पुलिस ने मास्टरमाइंड सहित दो आरोपियों को दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । अमोलक नगर पाली में डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचे अन्तरराज्यीय गैंग का महवा पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए हरियाणा के शूटर को अवैध देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया, जबकि वारदात की पूरी साजिश रचने वाले मास्टरमाइंड को भी बापर्दा गिरफ्तार कर लिया गया। देर रात बारात से लौटे परिवार की सतर्कता और ग्रामीणों की सजगता से गैंग की योजना मौके पर ही ध्वस्त हो गई। मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, भौतिक साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र के आधार पर कार्रवाई करते हुए सनसनीखेज खुलासा किया है। महवा सीओ मनोहरलाल मीना आरपीएस के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सचिन शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने पुलिस थाना महवा में दर्ज अभियोग संख्या 217/2026 में कार्रवाई करते हुए हरियाणा निवासी शूटर रविन्द्र उर्फ सोनू तथा साजिशकर्ता अत्येन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरोह ने अमोलक नगर पाली क्षेत्र में पहले से रैकी कर रखी थी और योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देने के लिए बाहरी शूटर बुलाए गए थे। घटना 9 मई की रात करीब 1 बजकर 10 मिनट की बताई गई है। परिवादी पुखराज शर्मा अपने परिवार के साथ जयपुर से बारात कर लौटे तो उन्होंने अपने ताऊ दुर्गालाल के घर के भीतर दो संदिग्ध युवकों को घुसा देखा। टोका तो दोनों बदमाश पाटोर के रास्ते गली में कूद गए और परिवादी को पकड़ लिया। एक बदमाश ने पिस्टल तान दी, जबकि दूसरे ने कट्टे की बैरल से हाथ पर वार कर दिया। शोर मचाने पर ग्रामीण एकत्र हो गए और एक आरोपी को मौके पर दबोच लिया, जबकि अन्य बदमाश दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर फरार हो गए। मौके से ग्लव्स और अन्य साक्ष्य भी मिले।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अलग-अलग टीमें गठित कीं। करीब 50 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तथा आसपास के सैकड़ों लोगों से पूछताछ की गई। तकनीकी साक्ष्यों और आसूचना के आधार पर पुलिस ने खुलासा करते हुए हरियाणा के रेवाड़ी जिले के लिसाना निवासी रविन्द्र उर्फ सोनू को अवैध देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया। वहीं बहड़खो निवासी अत्येन्द्र सिंह को गैंग का मास्टरमाइंड बताते हुए बापर्दा गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि अत्येन्द्र ने ही क्षेत्र की रैकी कर गैंग को बुलाया था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रविन्द्र उर्फ सोनू के खिलाफ हरियाणा के मॉडल टाउन रेवाड़ी थाने में चोरी और अन्य धाराओं में दो मामले दर्ज हैं, जबकि अत्येन्द्र सिंह के खिलाफ महवा थाने में पूर्व से आपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आया है। मामले में पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

शाहजहांपुर बालिका विद्यालय में नशा मुक्ति पर विधिक जागरूकता शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । शाहजहांपुर मे नशीली दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को कस्बे के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 'नशीली दवाओं के दुरुपयोग के पीड़ितों और नशीली दवाओं के खतरे के उन्मूलन के लिए कानूनी सेवाएं योजना, 2015' के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पैरालीगल वॉलंटियर सुनील कुमार ने छात्राओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। साथ ही नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े कानूनी प्रावधानों और दंडात्मक कार्रवाई के बारे में भी बताया। सुनील कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जाता है। शिविर में छात्राओं को नशा मुक्ति, आत्म-सुरक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता और कानूनी सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर व्याख्याता हंसा, एकता मीणा, संगीता, पूजा, सुनीता और कांता सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। छात्राओं में कुमकुम, मीनू, प्रतीक्षा, शोभा, रानी, महक, रिया सहित बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। शिविर के अंत में सभी छात्राओं को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया।

सिंघाना बाईपास पर खेत की बाड़ में लगी आग, ग्रामीणों ने निजी टैंकरों से पाया काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

सिंघाना बाईपास स्थित एक खेत की बाड़ में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि पास में लगे ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी के कारण खेत की सूखी बाड़ ने आग पकड़ ली, जिससे देखते ही देखते आग फैल गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत करते हुए निजी पानी के टैंकरों की मदद से आग पर काबू पाया। आगजनी की घटना में खेत के आसपास लगे कई पेड़-पौधे जलकर राख हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई, लेकिन काफी देर तक कोई दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंचा। लोगों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आग मिस्त्री मार्केट की ओर बढ़ सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान होने की आशंका थी। घटना के बाद ग्रामीणों में नगर पालिका प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने कहा कि सिंघाना नगर पालिका क्षेत्र होने के बावजूद यहां दमकल सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते हर बार आगजनी की घटनाओं में लोगों को खुद ही संसाधनों के सहारे आग बुझानी पड़ती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द स्थायी दमकल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

कैम्ब्रिज नर्सिंग इंस्टीट्यूट सिंघाना में अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

कैम्ब्रिज नर्सिंग इंस्टीट्यूट सिंघाना में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम निदेशक रहीश यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर नर्सिंग विद्यार्थियों ने सेवा, समर्पण और मानवता के भाव के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रिंसिपल संगीता यादव ने बताया कि नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। नर्सिंगकर्मी रोगियों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और चिकित्सा सेवा की मजबूत कड़ी माने जाते हैं। चेयरमैन हरिकृष्ण यादव ने कहा कि नर्सेज समाज में सेवा और त्याग का प्रतीक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे फ्लोरेंस नाइटिंगेल के आदर्शों को अपनाते हुए निष्ठा, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ रोगियों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि नर्सिंग क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थी भविष्य में समाज और राष्ट्र की सेवा में अहम योगदान देंगे। निदेशक रहीश यादव ने विद्यार्थियों को नर्सेज दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सिंगकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। रोगियों को समय पर देखभाल, सहानुभूति और सेवा प्रदान करना नर्सिंग पेशे की पहचान है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नर्सिंग सेवा की शपथ ली और मानवता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य एवं नर्सिंग विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वर्षों से बंद पड़ा रास्ता खुला, फुसकानी के ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर करवाया रास्ते का पुनः संचालन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

वर्षों से केवल पगडंडी तक सीमित था सरकारी रास्ता ग्रामीणों ने प्रशासनिक कार्रवाई पर जताया

पवन कुमार शर्मा । मंडावा तहसील प्रशासन की सक्रिय पहल से ग्राम फुसकानी में वर्षों से बंद पड़ा राजस्व रिकॉर्ड का रास्ता आखिरकार खुलवा दिया गया।तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर के निर्देशों की पालना में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर खसरा नंबर 743/108 एवं 741/107 दर्ज गैर मुमकिन रास्ते को पुनः सुचारू रूप से चालू करवाया। जानकारी के अनुसार उक्त रास्ता पिछले कई वर्षों से अवरुद्ध था और केवल लगभग चार फीट चौड़ी पगडंडी के रूप में ही उपयोग में लिया जा रहा था। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। तहसील प्रशासन द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई तथा राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर रास्ते को खुलवाया। कार्रवाई के दौरान भू-अभिलेख निरीक्षक चतरपूरा मंजू ढाका, पटवारी सुल्ताना बेगम, पटवारी एकता देवी एवं विजय कुमार काला सहित राजस्व विभाग के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। टीम ने सीमांकन एवं राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर रास्ते को पुनः बहाल करवाते हुए आमजन के लिए सुगम आवागमन सुनिश्चित किया। रास्ता खुलने के बाद ग्राम फुसकानी के ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर एवं राजस्व टीम का आभार व्यक्त करते हुए प्रशासन की इस पहल को जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

मण्डावा में दो दिवसीय आयोजित संस्था प्रधान स्तरीय वाकपीठ सम्पन्न

नई कार्यकारिणी का गठन, प्राचार्य जवाहर लाल काला बने अध्यक्ष, सेवानिवृत्त होने वाले संस्था प्रधानों का किया सम्मान

शिक्षण समन्वय मजबूत करने का लिया संकल्प,परीक्षा परिणाम सुधार, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज .मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । उपखंड मंडावा के ब्लॉक मंडावा में शिक्षा सत्र 2026-27 के अंतर्गत संस्था प्रधान स्तरीय दो दिवसीय वाकपीठ का आयोजन 11 एवं 12 मई को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ब्लॉक क्षेत्र के संस्था प्रधानों, शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लेकर शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालय प्रबंधन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में सीबीईओ पवन कुमार तथा जिला साक्षरता अधिकारी योगेन्द्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में नवाचार, प्रभावी कार्यशैली, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अधिकारियों ने संस्था प्रधानों को नई शैक्षिक गतिविधियों को अपनाने और बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए सामूहिक प्रयास करने की प्रेरणा दी। वाकपीठ के दौरान शैक्षिक गुणवत्ता संवर्धन, परीक्षा परिणाम सुधार, विद्यालय संचालन एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में अतिथियों एवं संस्था प्रधानों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। साथ ही इस वर्ष सेवानिवृत्त होने वाले संस्था प्रधानों एवं नई कार्यकारिणी के सदस्यों का शॉल, श्रीफल और गीता दर्पण पुस्तक भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्यारह सदस्यीय नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। इसमें प्राचार्य जवाहर लाल काला हनुमानपुरा को अध्यक्ष, राजेंद्र सिंह कमालसर को सचिव, प्राचार्य मुकेश कुमार महनसर को कोषाध्यक्ष सहित प्राचार्या श्रीमती राकेश, प्रधानाध्यापक विजय सिहाग, प्रधानाध्यापक संदीप चाहर एवं प्रधानाध्यापिका प्रमिला को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। द्वितीय दिवस के दूसरे सत्र में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने विभागीय योजनाओं एवं शैक्षिक गतिविधियों पर जानकारी दी। प्रधानाचार्य एजाज नबी ने अनुपयोगी सामान नीलामी कार्य, निविदा एंड जीएफ एंड आर से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। टाई के प्रधानाचार्य हरि सिंह ने इंस्पायर अवार्ड एवं विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं पर प्रकाश डाला। राजेंद्र सिंह ने परीक्षा परिणाम उन्नयन पर अपने विचार रखे। वहीं प्रधानाचार्य जयराम ने समसा ग्रांट, एसएनए भुगतान एवं जन आधार प्रमाणीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी। प्रधानाचार्य अंजना चौधरी ने स्कूली शैक्षिक गतिविधियों, यूथ एंड इको क्लब तथा मिड डे मील योजना पर विस्तार से जानकारी साझा की। प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने सीसीए नियम एवं प्रारंभिक जांच प्रक्रिया पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के दौरान सीबीईओ पवन कुमार, आरपी उत्तम दादी, आरपी लोकेश कुमार एवं सीबीईओ कार्यालय मण्डावा के अधिकारियों ने विभागीय गतिविधियों पर खुली चर्चा कर संस्था प्रधानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। दो दिवसीय आयोजन का समापन शिक्षा क्षेत्र में बेहतर समन्वय, नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य संजीव कुमार भीमसर ने किया। कार्यक्रम में फुसखानी के प्रधानाचार्य रणजीत सिंह, कुहाड़ू के प्रधानाचार्य गोवर्धन, शेशू प्रधानाचार्य जय राम, भोजासर की प्रधानाचार्या सुशीला धायल, अजीतगढ़ की सुमिता, डीआरडी मंडावा की प्रधानाचार्य संगीता नायक तथा भारू के प्रधानाचार्य राकेश कुमार ढाका सहित अनेक संस्था प्रधान उपस्थित रहें।

कार्यालय- पीएम श्री राजकला राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चिड़ावा

क्रमांक :- 1577 दिनांक 10.05.2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) चिड़ावा के आदेश क्रमांक 158 दिनांक 02.05.2026 की अनुपालना में दिनांक 26/05/2026 को प्रातः 11.00 बजे विद्यालय परिसर में विद्यालय की आइसीटी लैब के नाकारा/अक्रियाशील उपकरणों की सार्वजनिक नीलामी जिसका पुस्तक क्रय मूल्य 286950 रू. (दो लाख छियासी हजार नौ सौ पचास रूपये) है, इस हेतु गठित कमेटी द्वारा की जायेगी। जिसमें इच्छुक ई-वेस्ट निस्तारण रजिस्ट्रड एवं जीएसटी धारक व्यक्ति/फर्म नियमानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी की शेष शर्ते कार्यालय समय में विद्यालय में देखी जा सकती हैं।

प्रधानाचार्य
पीएम श्री राजकला राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चिड़ावा

दौसा कलेक्ट्रेट के पास दर्दनाक सड़क हादसा, तीये की बैठक से लौट रहें ग्रामीणों से भरा जुगाड़ ट्रक से भिड़ा

प्रशिक्षण शिविर छोड़ जिला अस्पताल पहुंचे विधायक राजेंद्र मीणा, घायलों के बेहतर इलाज के दिए सख्त निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । जिले में मंगलवार को दौसा कलेक्ट्रेट के समीप उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब तीये की बैठक में शामिल होकर लौट रहे ग्रामीणों से भरा किसान बुग्गा (जुगाड़) एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार करीरी (टोडाभीम) गांव के लोग बस्सी क्षेत्र में आयोजित तीये की बैठक में शामिल होकर किसान बुग्गे में सवार होकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान दौसा कलेक्ट्रेट के पास अचानक एक ट्रक और किसान बुग्गे के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए, जिनमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से घायलों को

तत्काल जिला अस्पताल दौसा पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। उधर हादसे की सूचना मिलते ही महवा विधायक राजेन्द्र मीना डीडवाना-लालसोट में चल रहे भाजपा प्रशिक्षण शिविर को बीच में ही छोड़कर सीधे जिला अस्पताल दौसा पहुंचे। विधायक ने अस्पताल में भर्ती घायलों की कुशलक्षेम पूछी और मौजूद चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सकों से उपचार की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गंभीर घायलों को त्वरित और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए उपचार व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी भी दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को बेहतर उपचार के लिए जयपुर रैफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। विधायक राजेंद्र मीणा ने चिकित्सा अधिकारियों को सभी घायलों की लगातार मॉनिटरिंग करने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल उच्च चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने हादसे में मृत व्यक्ति की दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

जालावास मनेठी में 18 मई को लगेगा बाबा जांट वाले का तृतीय विशाल मेला एवं भंडारा

कलश यात्रा, हवन-यज्ञ, रागनी प्रतियोगिता और देसी घी के भंडारे का होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चंद । मुंडावर तहसील के ग्राम जालावास मनेठी स्थित श्री श्री 1008 श्री बाबा जांट वाले एवं हनुमान जी महाराज मंदिर पर 18 मई 2026, सोमवार को तृतीय विशाल मेला व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर विकास समिति एवं समस्त ग्रामवासियों की ओर से आयोजित इस धार्मिक आयोजन में मशहूर कलाकारों द्वारा रागनी कम्पीटीशन प्रोग्राम मुख्य आकर्षण रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत 17 मई, रविवार को होगी। प्रातः 6:30 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसके बाद 7:30 बजे से रामायण पाठ का आयोजन होगा। 18 मई को मुख्य मेले के दिन प्रातः 7:30 बजे हवन-यज्ञ, 10:00 बजे प्रसादी वितरण और 10:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रागनी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए देसी घी का विशाल भंडारा प्रसाद की विशेष व्यवस्था रहेगी। आमंत्रित कलाकारों में संजय पटेल एण्ड पार्टी के संजय पटेल, राजू गोला, कंचन यादव और भावना भाटी अपनी मनोहारी प्रस्तुतियां देंगे। मंदिर विकास समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार पधारकर बाबा के दर्शन, मेले और भंडारे का लाभ उठाने की अपील की है।

हरियाणा की भाजपा सरकार ने युवाओं का रोजगार छिना है- राष्ट्रीय कोर्डीनेटर सुरेन्द्र कुमार सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार सैनी ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नीट परीक्षा और एचपीएससी की असिस्टेंट प्रोफेसर की एक भर्ती का रद्द होना हरियाणा व देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और यह भाजपा सरकार की पूरी तरह नाकामी दर्शाता है। सैनी ने कहा कि देशभर के लाखों विद्यार्थी सालों मेहनत, समय और पैसा लगाकर नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। अपने शौक छोड़कर किताबों में लगते हैं, लेकिन परीक्षा माफिया उनकी मेहनत पर पानी फेर देता है। सरकार साल दर साल इसे रोकने में नाकाम रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि मजबूती का दावा करने वाली भाजपा सरकार क्या परीक्षा माफिया के सामने मजबूर है, या सरकार के लोग ही माफिया के साथ हैं? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रोजगार देने की बात करते थे, पर अब प्रवेश परीक्षाओं में भी माफिया का राज है। पूरी व्यवस्था चंद चहेती एजेंसियों को सौंप दी गई है और जवाबदेही के समय किसी पर कार्रवाई नहीं होती। एचपीएससी भर्ती पर बोलते हुए श्री सैनी ने कहा कि आज ही उच्च न्यायालय ने 35' क्राइटेरिया पर हुई असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती रद्द कर दी है। यह क्राइटेरिया शुरू से ही हरियाणा के युवाओं को रोजगार से वंचित करने के लिए बनाया गया था। इसी आधार पर बाकी भर्तियां भी रद्द हो सकती हैं। लाखों युवा इसके खिलाफ धरने पर बैठने को मजबूर हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी दूसरे प्रदेशों के चुनाव में व्यस्त हैं और हरियाणा के शिक्षित युवाओं से मिलने का समय उनके पास नहीं है। भाजपा ने साजिश के तहत एचपीएससी का चेयरमैन भी बाहरी प्रदेश से बनाया है जो कहता है कि हरियाणा के बच्चे लायक नहीं हैं। यह हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं की काबिलियत पर सवाल है।श्री सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा डोमिसाइल की अवधि 10 साल से घटाकर 5 साल कर दी है। एनसीआर क्षेत्र होने के कारण प्रवासी लोगों की संख्या बढ़ी है। ऐसे में 5 साल में

डोमिसाइल देना हरियाणा के एस डीएससी पिछड़े और ईडब्लूएस वर्ग के युवाओं के रोजगार के लिए घातक है। हरियाणा में पहला हक हरियाणा वासियों का है।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में प्रथम और द्वितीय श्रेणी की नौकरियों में दूसरे प्रदेश के लोगों को वरीयता दी जा रही है, जबकि हरियाणा वासियों को तृतीय और चतुर्थ श्रेणी तक सीमित किया जा रहा है। भर्तियां निकालकर शोर मचाया जाता है, फिर पद खाली छोड़ दिए जाते हैं या बाहरी लोगों को भर लिया जाता है। सैनी ने कहा कि भाजपा हरियाणा के युवाओं से रोजगार छीन रही है। मुख्यमंत्री नायब सैनी को हरियाणा के लोगों ने चुना है, दूसरे प्रदेश के लोगों ने नहीं। भाजपा की हरियाणा विरोधी सोच बेनकाब हो चुकी है। अगर सरकार अब भी अपनी गलत नीतियों से बाज नहीं आई तो जनता आने वाले समय में सबक सिखाएगी।

अपना घर सेवा समिति ने शुरू किया अन्नदान महादान अभियान, 18 मई को प्रभुजनों के लिए भेजी जाएगी गेहूं से भरी पिकअप

'भूखे के पेट में अन्न, सबसे बड़ा पूज्य कर्म' — मण्डावर से भरतपुर आश्रम के लिए उठी सेवा की मिसाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जिस घर से भूखे को रोटी मिल जाए, वही घर सच मायनों में मंदिर कहलाता है।' इसी सेवा भाव और मानवता की मिसाल को आगे बढ़ाते हुए अपना घर सेवा समिति मण्डावर ने अन्नदान महादान अभियान की शुरुआत कर क्षेत्र में परोपकार और सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायी संदेश दिया है। गांव-कस्बों की मिट्टी में रची-बसी सेवा संस्कृति को जीवंत करते हुए समिति ने आगामी 18 मई को अपना घर आश्रम भरतपुर में निवासरत प्रभुजनों के लिए गेहूं से भरी एक पिकअप भेजने का निर्णय लिया है। समिति की जनरल मीटिंग 7 मई को आयोजित हुई, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने कहा कि अन्नदान केवल दान नहीं बल्कि मानवता के प्रति सबसे बड़ा धर्म है। भूखे को भोजन कराना ऐसा पुण्य है, जो सीधे इंसानियत की आत्मा को तृप्त करता है। 'दौलत से नहीं, दिल से बड़े होते हैं लोग' की कहावत को चरितार्थ करते हुए समिति ने क्षेत्रवासियों से इस सेवा यज्ञ में अधिकाधिक भागीदारी निभाने की अपील की है। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि गेहूं के प्रति कट्टे का सहयोग शुल्क 1300 रुपए निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालु अपनी आस्था और सामर्थ्य अनुसार चाय, चीनी, चावल, तेल, मसाले सहित अन्य राशन सामग्री का सहयोग भी कर सकते हैं। ग्रामीण अंचल में यह अभियान अब जनसहभागिता का रूप लेता दिखाई दे रहा है, जहां लोग 'नेकी कर दरिया में डाल' की भावना के साथ खुलकर सहयोग कर रहे हैं।

अन्नदान अभियान में अब तक अनेक समाजसेवियों, व्यापारियों एवं धर्मप्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई है। प्रमुख सहयोगकर्ताओं में मोहनलाल तिवाडी, नरेंद्र कुमार बंसल, महेश गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, अशोक गर्ग, राजेश मंगल, गिर्राज सोनी, बनवारीलाल गोयल, मुकेश सीआरआई वाले, पप्पूराम मीणा, राजेश फागना, अनिल बडाया, सुरेश गर्ग, मोनू ऑटो पार्ट्स, डॉ. पवन खंडेलवाल, राकेश सेठी, मुकेश पंसारी, विपुल झालानी, सत्यनारायण खंडेलवाल, शिखर जैन, पदम जैन एवं त्रिपुरारीलाल ठाकुरिया सहित बड़ी संख्या में अनेक गुप्त दानदाताओं ने सहयोग प्रदान किया है। समिति सदस्यों ने कहा कि आज के दौर में जब समाज स्वार्थ की दौड़ में उलझता जा रहा है, ऐसे समय में जरूरतमंदों के लिए उठाया गया हर कदम मानवता की नई मिसाल बनता है। 'रोटियों की खुशबू जब दुआओं में बदलती है, तब समाज में सेवा की असली लौ जलती है।' मण्डावर से उठी यह सेवा की अलख अब पूरे क्षेत्र में जनजागरण और सामाजिक सहभागिता का संदेश देती नजर आ रही है।

डाबला-खेतड़ी -सिंघाना रेल लाइन को लेकर बढ़ी उम्मीदें, विधायक धर्मपाल गुर्जर की मेहनत ला रही रंग

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित डाबला-सिंघाना रेल लाइन परियोजना को लेकर अब सकारात्मक संकेत मिलने लगे हैं। खेतड़ी विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर पिछले डेढ़ साल से इस रेल लाइन को स्वीकृति दिलाने के प्रयासों में लगातार जुटे हुए हैं। अब मुख्यमंत्री द्वारा विधायक को भेजे गए पत्र के बाद क्षेत्र में नई उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में बताया है कि विधायक द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर रेल मंत्रालय ने सकारात्मक रुख अपनाया है और इस दिशा में कार्रवाई जारी है। इसके बाद माना जा रहा है कि जल्द ही क्षेत्रवासियों को बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। मुख्यमंत्री का यह पत्र सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। खेतड़ी विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर ने

बताया कि उन्होंने वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डाबला-सिंघाना रेल लाइन की आवश्यकता से अवगत कराया था। उन्होंने कहा कि यह रेल लाइन बनने से डाबला, खेतड़ी, सिंघाना और चिड़ावा क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा तथा व्यापार, रोजगार और यातायात सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। विधायक ने यह भी कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। डाबला-सिंघाना रेल लाइन के साथ-साथ बबाई हवाई पट्टी को लेकर भी सरकार स्तर पर लगातार पैरवी की जा रही है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले सिंघाना क्षेत्र में रेलवे की जमीन से अतिक्रमण भी हटाया गया था। उस दौरान रेलवे अधिकारियों ने भी इस परियोजना के लिए प्रस्ताव तैयार होने की बात कही थी। अब मुख्यमंत्री के पत्र के बाद क्षेत्रवासियों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। यदि यह परियोजना स्वीकृत होती है तो डाबला, खेतड़ी, सिंघाना और चिड़ावा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने के साथ-साथ लोगों को बेहतर रेल सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्यवाही: 'मोनु हत्याकांड' में संलिप्त महिला सह-आरोपी गिरफ्तार

हत्या के मामले में अब तक कुल 5 आरोपियों की हो चुकी है गिरफ्तारी

प्रोफेसर कॉलोनी निवासी महिला आरोपी को पुलिस ने दबोचकर भेजा न्यायिक हिरासत में

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा जघन्य अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने बालाजी कॉलोनी के युवक 'मोनु' की हत्या के मामले में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल महिला सह-आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपियां की पहचान हिना पुत्री राजेंद्र, निवासी झालानिया (हाल प्रोफेसर कॉलोनी, फतेहाबाद) के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरिक्षक सुरेन्द्रा ने जानकारी

देते हुए बताया की बीती 26 अप्रैल 2026 की रात बालाजी कॉलोनी निवासी सचिन कुमार ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसका बड़ा भाई मोनु (28) अपने दोस्तों के साथ घर के पास बातचीत कर रहा था। इसी दौरान आपसी रंजिश के चलते आरोपियों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने मोनु की जांघ में छुरी मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था, जिसकी इलाज के लिए अग्रोहा ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई थी। पीड़ित परिवार के बयानों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएन एस) की धाराओं 103(1) (हत्या), 191(2), 191(3), 190 के तहत मुकदमा नंबर 181/2026 दर्ज किया गया था।इस मामले में पुलिस पहले ही चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। तफ्तीश को आगे बढ़ाते हुए पुलिस टीम ने इस षड्यंत्र और वारदात में शामिल महिला सह-आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है । आरोपियां को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है मामले की जांच जारी है।

नीमराना में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम आयोजित, सुरक्षित प्रसव के लिए किया जागरूक

महिला पर्यवेक्षक संतोष यादव ने दी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अस्पताल में प्रसव पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

महिला एवं बाल विकास विभाग नीमराना की ओर से मंगलवार को आठ माह की गर्भवती महिलाओं के लिए गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षक संतोष यादव ने गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को नवजात शिशु के स्वागत की तैयारियों तथा सुरक्षित प्रसव से जुड़ी अहम जानकारी दी। संतोष यादव ने बताया कि

गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के समय किसी भी परेशानी से बचने के लिए समय रहते पूरी तैयारी जरूरी है। उन्होंने परिजनों को समझाया कि बच्चे का जन्म हमेशा सुरक्षित जगह पर ही होना चाहिए। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने अधिक से अधिक अस्पताल में प्रसव कराने पर जोर दिया, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि नवजात शिशु के लिए पहले से क्या-क्या आवश्यक तैयारियां करनी चाहिए और गर्भवती महिला के खान-पान व देखभाल का विशेष ध्यान कैसे रखा जाए। इस अवसर पर निर्मला शर्मा, राजबाला देवी सहित कई अन्य महिलाएं मौजूद रहीं। महिला पर्यवेक्षक संतोष यादव ने सभी को स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया।

सरकार की हठधर्मिता से सफाई व्यवस्था चरमराई, कर्मियों की जायज मांगें माने सरकार : विधायक चंद्रप्रकाश

नीट परीक्षा सरकार की लापरवाही व अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/मंडी आदमपुर।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । सफाई कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में की जा रही हड़ताल के चलते सफाई व्यवस्था चरमरा गई है और जनता परेशानी झेलने के लिए मजबूर है। इस मामले में विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि ऐसी विकट स्थिति में भी सरकार अपनी हठधर्मिता छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि हड़ताल के कारण जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं और महामारी की आशंका बढ़ती जा रही है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि अब गली-मोहल्लों में लगे कूड़े के ढेर के पास से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। इस संदर्भ में जब लोग सरकार के प्रतिनिधियों से बात करते हैं तो वे एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ लेते हैं। चाहे किसी भी तरफ चले जाइए, रिहायशी इलाके हों, बाजार हो या फिर सड़कें हों, सभी कूड़े से अटे पड़े हैं। सफाई कर्मी कई वर्षों से अपनी मूलभूत मांगों को पूरा करने की गुहार लगा रहे हैं लेकिन सरकार इस मामले में उदासीन रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि हड़ताल से न केवल सफाई व्यवस्था चरमराई है बल्कि नगर निकायों की

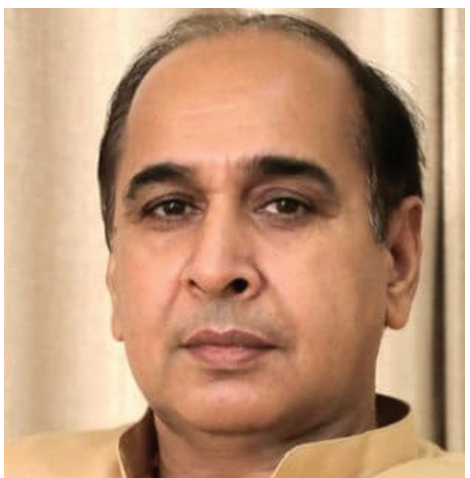

कार्यप्रणाली भी प्रभावित हुई है। सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाने की अपेक्षा केवल आश्वासन देकर काम चला रही है।

उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान दिया जाता तो ऐसी विकट स्थिति पैदा ही नहीं होती। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में सरकार को जल्द से जल्द सफाई कर्मचारियों से वार्ता करके उनकी सभी जायज मांगों को पूरा करना चाहिए। ऐसा करने से ही सफाई व्यवस्था दोबारा पटरी पर आएगी और जनता को राहत मिलेगी। विधायक चंद्रप्रकाश ने नीट परीक्षा के रद्द होने पर व्यवस्था की विफलता पर रोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वर्षों की तैयारी और दिन-रात के संघर्ष के बाद विद्यार्थी नीट परीक्षा देते हैं। ऐसी स्थिति में इस परीक्षा का रद्द होना लाखों होनहार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि दरअसल यह परीक्षा सरकार की लापरवाही व अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नीट परीक्षा के दौरान गड़बड़ियां, पेपर लीक और प्रशासनिक असफलताएं इस बात को साबित करती हैं कि सरकार छात्रों के भविष्य के प्रति कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा कि सरकार को नीट परीक्षा सहित अन्य परीक्षाओं के दौरान पुख्ता प्रबंध करने चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा को पारदर्शी व विश्वसनीय बनाया जाए और छात्रों की मेहनत से खिलवाड़ बंद होना चाहिए। इतना ही नहीं इस मामले के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि इसकी पुनरावृत्ति न हो।

सीआईए टोहाना पुलिस टीम की बड़ी कार्रवाई: 1200 नशीली गोलियों सहित पंजाब का नशा तस्कर गिरफ्तार

अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईए) टोहाना की टीम ने कुदनी हैड के पास से आरोपी को दबोचा, आरोपी से बिना नंबर की बाइक भी जब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'क्लीन स्वीप' अभियान के तहत अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईए) टोहाना ने कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में नशीली गोलियों सहित एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुरप्रीत उर्फ गोपी पुत्र नाजर सिंह, निवासी बलरा (पंजाब) के रूप में हुई है। सीआईए टोहाना प्रभारी उप निरिक्षक अशोक ने जानकारी देते हुए बताया की पुलिस टीम दमकौरा रोड और कुदनी हैड क्षेत्र में गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि पंजाब का एक युवक बिना नंबर की बाइक पर टोहाना और जाखल क्षेत्र में नशीली गोलियां सप्लाई करने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने सिरसा ब्रांच नहर की पटरी पर कुदनी हैड के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार युवक को

काबू किया । नियमानुसार तलाशी लेने पर नशीली गोलियों के 120 पत्ते (कुल 1200 गोलियां) बरामद हुए। आरोपी गुरप्रीत उर्फ गोपी के खिलाफ थाना जाखल में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22ष्ट-61-85 के तहत मुकदमा नंबर 60/2026 दर्ज कर गिरफ्तार किया गया । आरोपी से मामले में गहनता से पुछताछ की जा रही है , ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। मामले में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और केकेआर का मुकाबला

रायपुर (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवारा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा।

आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। अंक तालिका में आरसीबी 14 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर है। वहीं केकेआर 9 अंक लेकर काफी पीछे हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इस मैच में अगर केकेआर हारी तो प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। दोनो ही टीमों की तुलना करें तो आरसीबी का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं केकेआर के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। आरसीबी के पास बल्लेबाजी में कप्तान रजत पाटीदार के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वन कुमार, जैस हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड हैं। टीम के पास क्रुणाल पांड्या जैसा ऑलराउंडर है। क्रुणाल ने इस सत्र में गेंद और बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, सुनील नरेन के अलावा , कैमरन ग्रीन जैसा ऑलराउंडर है। उसकी गेंदबाजी की कमान स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कार्तिक त्यागी के पास रहेगी। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुनील नरेन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 36 मुकाबले हुए हैं। इसमें से केकेआर ने 20 जबकि आरसीबी ने 15 जीते हैं। वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू: विराट कोहली, जैकब बैथल/फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, रसिख सलाम डार।, इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, इम्पैक्ट प्लेयर- फिन एलन

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे क्रुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। क्रुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो ये मेरे परिवार के लिए विशेष अवसर होगा। क्रुणाल करीब पांच साल से टीम से बाहर हैं। जुलाई 2021 में उन्हें अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिला था। अब तक उन्होंने 5 एकदिवसीय और 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 5 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 65 के प्रभावशाली औसत और 101.56 के स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 58 रन हैथा। वहीं घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में, उन्होंने 98 मैचों में 3001 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 38.47 और स्ट्राइक रेट 88.03 रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाये हैं। एक ऑलराउंडर के रूप में, उन्होंने 118 विकेट भी लिए हैं। इन आंकड़ों और आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, क्रुणाल चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है । उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं। इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, उसने 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत हासिल की और प्लेऑफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है। गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के बाकी बचे मुकाबलों को लेकर कहा, टी200 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आम बात है। सत्र समाप्त खत्म होने के बाद टीम को अपनी गलतियों का आंकलन चाहिए। लेकिन फिलहाल मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया, अब बाकी मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही रहेगा। इससे फ्रेंचाइजी को यह जानने का मौका मिलेगा कि ये युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में टीम के लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ खेलेंगे?

चेन्नई सुपर किंग्स के अगले मैच से पहले मिला बड़ा संकेत

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी के बाकी टीम के साथ लखनऊ जाने की उम्मीद है। हालांकि वह इस मैच का हिस्सा होंगे या नहीं यह बात सामने नहीं आई है। लेकिन इससे CSK फैंस में धोनी को एक बार फिर मैदान में खेलते देखने की उम्मीद जरूर जगी है। CSK इंडियन प्रीमियर लीग (CSK) 2026 के अपने अगले मैच में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स (LSG) टीम का सामना करेगी जो शुक्रवार 15 मई को एकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली CSK इस मैच को जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना चाहेगी।

धोनी अपनी पिंडली की चोट के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। शुरुआती मैचों में तो वे पूरी तरह से टीम से बाहर थे, लेकिन सीजन

के बीच में उन्होंने मुंबई इंडियंस (MI) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) जैसी टीमों के खिलाफ खेले गए 'अवे' (बाहरी) मैचों के लिए टीम के साथ सफर करना शुरू कर दिया था। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि वापसी की कोशिश करते समय उनकी चोट और बढ़ गई थी, जबकि कुछ का मानना था कि वे टीम के मौजूदा तालमेल को बिगाड़ना नहीं चाहते, क्योंकि इस तालमेल ने टीम को अच्छे नतीजे दिए हैं। इसी वजह से वे छ्स्य के हालिया अरुण जेटली स्टेडियम दौरे का हिस्सा नहीं थे, जहाँ टीम ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी।

रेवस्पोर्ट्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी लखनऊ जाने वाली टीम का हिस्सा होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी के कल लखनऊ जाने की संभावना है।' अगर CSK लखनऊ को हराने में कामयाब हो जाती है, तो उसके पास टॉप चार टीमों में जगह बनाने का मौका होगा। स्स्त पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। छ्स्य का इस सीजन में अब सिर्फ एक घरेलू मैच बचा है, जो सोमवार 18 मई को शानदार प्रदर्शन कर रही सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टी20 क्रिकेट लीग अब 2027–28 में शुरु होगी

ऑकलैंड ।भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित होकर न्यूजीलैड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भी साल 2027 से एक टी20 लीग शुरु करने की योजना बनायी थी जो अब टालने पड़ी है ।न्यूजीलैड बोर्ड के अनुसार अब ये लीग साल 2027–28 की गर्मियों में शुरु होगा ।बोर्ड ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि संभावित निवेशकों और हितधारकों के साथ चल रही बातचीत को अंतिम रूप देने और लीग को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए अधिक समय की जरुरत महसूस हुई ।बोर्ड ने हालांकि कहा कि निवेशकों के साथ उसकी चर्चाएं रचनात्मक रही हैं ।जनवरी 2027 में प्रस्तावित लॉन्च को देखते हुए कई तरह के कामों में काफी विकास भी हुआ पर बोर्ड को लगा कि लीग शुरु करने के लिए अभी और काम होने हैं जिसके लिए अतिरिक्त समय की जरुरत है । ।लॉन्च में देरी का एक मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर भी है ।जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज तय होने के कारण, लीग के लिए पर्याप्त विंडो मिलना कठिन हो रहा था ।यह मामला हितधारकों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया, जिसके चलते लॉन्च को आगे बढ़ाया गया है ।बोर्ड की चेयरपर्सन, डायना पुकेटापु–लिंडन ने इस बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, हमारा प्राथमिक ध्यान यह तय करना है कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहतर, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक खेल के साथ जुड़ा हो ।हम न्यूजीलैंड 20 के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अब तक हुई प्रगति से उत्साहित हैं ।अभी और समय लेने से यह तय करने में सहायता मिलेगी कि यह प्रतिस्पर्धा लंबे समय तक सफल रहे ।वहीं मैकिनॉन ने कहा कि इस संशोधित लॉन्च विंडो से अंततः प्रशंसकों को ही लाभ होगा ।उन्होंने कहा, दिसंबर 2027 में लॉन्च करके, हम यह पक्का कर सकते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा पहली ही गेंद से उम्मीदों पर सही साबित उतरे और प्रशंसकों, खिलाड़ियों और साझेदारों को वह अनुभव प्रदान करे जिसके वे अधिकारी हैं ।हमारा लक्ष्य एक ऐसा टूर्नामेंट बनाना है जो शुरुआत से ही यादगार हो ।बोर्ड इसके सफल आयोजन के लिए पूरा प्रयास कर रहा है ।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए अक्षर पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला ।दिल्ली कैपिटल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत का जश्न मना भी नहीं पायी कि टीम के कप्तान अक्षर पटेल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लग गया है ।आईपीएल ने मंगलवार सुबह एक बयान जारी कर अक्षर पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है ।इस बयान में कहा गया, 'यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, जो आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत आता है और न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है ।इसलिए अक्षर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है ।'

इस मैच में दिल्ली ने 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज थी ।दिल्ली ने 19वें ओवर में तीन विकेट से जीत हासिल की ।यह इस सत्र में उनकी पांचवीं जीत है ।इसके साथ ही टीम के 12 मैचों में 10 अंक हो गए हैं ।इस जीत से कैपिटल्स अंक तालिका में एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गई है ।अक्षर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार अर्धशतक लगाया ।कैपिटल्स से पहले भी इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए कई टीमों के कप्तानों पर जुर्माना लगा है ।

पंड्या की जगह पर बुमराह को कप्तान बनाये मुम्बई : मांजरेकर

मुम्बई ।मुम्बई इंडियंस के आईपीएल के 19 सत्र से बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं ।प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए हार्दिक को कप्तानी से हटाने की मांगे की है ।इस सत्र में मुम्बई इंडियंस केवल तीन ही मैच जीती है ।पूर्व क्रिकेटर ओर कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने किा है कि हार्दिक की जगह पर जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाया जाना चाहिये । मांजरेकर ने कहा कि फ्रेंचाइजी को अपने नेतृत्व पर पुनर्विचार करते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज बुमराह को टीम की कप्तानी संभालने का अवसर देना चाहिये । मांजरेकर ने कहा कि मैं बुमराह को भारत की कप्तानी करते देखना चाहता हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि कोई भी

खेल को उनके जितना बेहतर समझता है, उनकी गेंदबाजी में केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि पूर्वानुमान, बल्लेबाज को पढ़ना, स्थिति को समझना और पिच को जानना भी शामिल है ।उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी तो नहीं मिली पर आईपीएल में जरुर मिलनी चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि जब मुम्बई ने हार्दिक को शामिल किया था, तभी उन्हें कोच आशीष नेहरा को भी ले लेना चाहिये था ।हार्दिक और नेहरा ने गुजरात टाइटंस में एक सफल साझेदारी बनाई थी। मांजरेकर के अनुसार उन्हें हार्दिक पांड्या के अलावा किसी और विकल्प पर भी विचार करना होगा क्योंकि उनकी कप्तानी सफल नहीं रही है। मांजरेकर के अनुसार टेस्ट कप्तान की तुलना में आईपीएल में कप्तानी करना बुमराह के लिए अपेक्षाकृत आसान होगा ।इसका कारण है कि इसमें अधिक दबाव नहीं रहता है ।

बंगलादेश ने पाकिस्तान को 104 रन से हराया, नाहिद राणा ने झटके 5 विकेट

ढाका (एजेंसी)। तेज गेंदबाज नाहिद राणा के पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने मंगलवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन 104 रन से जीत हासिल की। बांग्लादेश के 268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 163 रन पर सिमट गया जिसमें नाहिद ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर पांच विकेट चटकाए। चाय के बाद उन्होंने अपने तीन ओवर में पांच रन देकर सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान और नोमान अली को आउट किया। तेज गेंदबाज तास्किन अहमद ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 40 रन पर दो विकेट चटकाए।

बांग्लादेश को पहली सफलता तास्किन ने दिलाई जब उन्होंने इमाम उल हक (02) को विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच कराया। पदार्पण करने वाले दो खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज अजान अवैस (15) और अब्दुल्ला फजल (66) ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन (47 रन पर एक विकेट) ने पहली पारी में शतक जड़ने वाले अवैस को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा।

नाहिद ने कप्तान शान मसूद (02) को विकेट के पीछे कैच कराके पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 68 रन किया। फजल ने सलमान आगा (26) के साथ पारी को संभाला लेकिन चाय के ब्रेक के बाद बांग्लादेश ने जल्दी-जल्दी दो विकेट लेकर वापसी की। बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम (22 रन पर दो विकेट) ने फजल को पगबाधा करके सलमान के साथ उनकी 51 रन की साझेदारी तोड़ी। तास्किन ने सलमान आउट करके पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन किया। शकील (15) और रिजवान (15) ने पाकिस्तान की उम्मीद जगाई लेकिन नाहिद ने तीन ओवर में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

नाहिद ने शाहीन शाह अफरीदी (00) को महमूदुल हसन जॉय के हाथों कैच कराके बांग्लादेश को जीत दिलाई और अपने करियर में दूसरी बार पारी में पांच विकेट भी पूरे किए।

इससे पहले कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के 87 रन की मदद से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के लिए 268 रन का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 152 रन से करने के बाद दूसरी पारी नौ विकेट पर 240 रन घोषित की। मेजबान टीम ने मुश्किल लक्ष्य देने के लिए आक्रामक रवैया दिखाया जिसमें शंटो ने शानदार प्रदर्शन किया।

हसन अली ने मुशफिकुर रहीम को आउट करके पाकिस्तान को शुरुआती सफलता दिलाई। शंटो ने इसके बाद मोर्चो संभाला और अपनी पारी में सात चौके लगाए। उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली (76 रन पर तीन विकेट) ने पगबाधा किया। मेहदी हसन ने 24 रन बनाकर बढ़त को 250 रन के पार पहुंचाया। हसन अली (52 रन पर तीन विकेट) ने तास्किन को इमाम के हाथों कैच कराया जिसके बाद बांग्लादेश ने 76 ओवर बाकी रहते पारी घोषित कर दी। बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे और फिर पाकिस्तान को 386 रन पर आउट करके 27 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरा टेस्ट शनिवार से सिल्टे में शुरू होगा।

विनेश को ट्रायल की अनुमति दिलाने साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री और खेल मंत्री से सहायता मांगी

नई दिल्ली ।ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से अपील करते हुए कहा है कि विनेश फोगाट को ट्रायल की अनुमति दिलाने के लिए वे हस्तक्षेप करें ।साक्षी ने कहा कि विनेश को देश के लिए पदक जीतने और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनने का अवसर मिलना चाहिए ।साक्षी ने कहा कि विनेश को कुश्ती महासंघ वापसी के अवसर नहीं दे रहा है ।महासंघ ने विनेश को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है ।साक्षी ने स्वीकार किया कि वह कुछ दिनों से इस पर विचार कर रही थीं, क्योंकि विनेश एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ी विधायक हैं जबकि उनका स्वयं किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है ।अपने वीडियो में साक्षी ने अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के उदाहरण दिए, जो महिला एथलीटों, विशेषकर मां बनने के बाद वापसी करने वाली खिलाड़ियों के लिए नियमों को लचीला बनाते हैं, जिससे वे खेल में बने रहें और अपने देश के लिए पदक जीत सकें ।इसके विपरीत, साक्षी ने भारतीय कुश्ती महासंघ की आलोचना करते हुए कहा कि फेडरेशन ने दो दिन पहले ऐसे नियम लागू कर दिए हैं जो विनेश की वापसी को कठिन बनाते दिख रहे हैं ।उन्होंने प्रधानमंत्री, खेल मंत्री और कुश्ती महासंघ से विनम्र निवेदन किया कि विनेश का ट्रायल लिया जाए ।साक्षी का मानना है कि इससे विनेश न केवल देश का नाम रोशन करेंगी, बल्कि एक ऐसा प्रेरणादायक उदाहरण भी पेश करेंगी कि भारतीय महिलाएं मां बनने के बाद भी खेल के मैदान में लौटकर देश के लिए पदक जीत सकती हैं ।गौरतलब है कि शनिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था ।डब्ल्यूएफआई ने विनेश पर अनुशासनहीनता और कथित तौर पर डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिसके लिए उनसे चार आरोपों पर जवाब मांगे गए हैं ।महासंघ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि विनेश 26 जून 2026 तक किसी भी घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी ।

शाहीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के नौवें गेंदबाज बने

मीरपुर ।पाकिस्तान के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में एक विकेट लेने के साथ ही अपने 400 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे कर लिये हैं ।शाहीन ये उपलब्धि अपने नाम करने वाले पाक के नौवें गेंदबाज बन गये हैं ।एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है ।इस मुकाबले के चौथे दिन शाहीन ने बांग्लादेशी बल्लेबाज मोमिनुल हक को आउट करते ही अपने 400 विकेट पूरे किये। वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 100 विकेट पूरे करने वाले पहले पाकिस्तानी गेंदबाज बन गए हैं। अब उनके नाम डब्ल्यूटीसी में कुल 103 विकेट दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में पाक की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज बनाता है ।इस सूची में नोमान अली 89 विकेट के साथ दूसरे और साजिद खान 63 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं ।गौरतलब है कि शाहीन से पहले पाक के लिए आठ दिग्गज गेंदबाजों ने 400 या उससे अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। इस विशिष्ट क्लब में शामिल होकर शाहीन ने अपनी जगह महानतम खिलाड़ियों की पंक्ति में बना ली है ।पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम 916 विकेट के साथ नंबर एक पर हैं, उनके बाद वकार यूनिस 789, इमरान खान 544, शाहिद अफरीदी 538, सकलैन मुश्ताक 496, सईद अजमल 447, शोएब अख्तर 438 और उमर गुल 427 विकेट के साथ मौजूद हैं ।शाहीन में 400 विकेट के साथ नौवें स्थान पर हैं। शाहीन ने अब तक 74 एकदिवसीय मैचों में 139 विकेट लिए हैं, जबकि 103 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भी उन्होंने 136 विकेट हासिल किए हैं ।इस गेंदबाज ने केवल 211 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 400 विकेट पूरे किए हैं ।

नीरज चोपड़ा की वापसी में देरी, सचिन यादव रोम में डायमंड लीग में करेंगे डेब्यू

रोम(एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव 4 जून को प्रतिष्ठित एथलेटिक्स सीरीज़ के रोम चरण में डायमंड लीग में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि इस मीट की एंट्री लिस्ट में ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा का नाम शामिल नहीं है। नीरज चोपड़ा, जो इस समय तुर्की में ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने का इलाज) कर रहे हैं, उन्होंने अभी तक अपना 2026 एथलेटिक्स सीजन शुरू नहीं किया है। उन्हें आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में हुई विश्व चैंपियनशिप में एक्शन में देखा गया था, जहां उन्होंने पीठ की चोट के बावजूद मुकाबला किया था और निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे थे।

नीरज की गैरमौजूदगी में, रोम में सभी की नज़रें सचिन यादव पर होंगी, जिन्हें पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए आठ प्रतिस्पर्धियों में शामिल किया गया है। 26 वर्षीय सचिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय इवेंट में हिस्सा लेंगे। वह फाइनल में 86.27मी के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और पदक जीतने से बाल-बाल चूक गए थे। उन्होंने पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था।

रोम 2026 डायमंड लीग में सचिन का मुकाबला कई दिग्गज खिलाड़ियों से होगा, जिनमें ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर, रियो 2016 के चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेकिया के याकूब वाडलेज शामिल हैं। अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, पोलैंड के डेविड वेगनर और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरगे - जो इस समय दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं - भी इस मुकाबले में शामिल होंगे।

सचिन यादव ने अप्रैल में नई दिल्ली में हुई इंडियन एथलेटिक्स सीरीज मीट के साथ घरेलू सर्किट पर अपना 2026 सीज़न पहले ही शुरू कर दिया है, जहां वह 81.95मी के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि पुरुषों का भाला फेंक इवेंट भी 31 मई को मोरक्को में होने वाली रबात डायमंड लीग का हिस्सा होगा, लेकिन मोरक्को में होने वाली इस मीट के लिए एंट्री लिस्ट की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

दूसरी ओर, भारत की पारुल चौधरी, जिनके नाम महिलाओं की 3000मी, 5000मी और 3000मी स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं, 16 मई को शंघाई डायमंड लीग 2026 में स्टीपलचेज दौड़ में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह भारतीय एथलीट अपनी तीसरी डायमंड लीग मीट में हिस्सा लेंगी। पारुल, जो मौजूदा एशियाई खेलों की 5000मी चैंपियन हैं, 2024 में यूजीन में 16वें स्थान पर रही थीं और पिछले साल दोहा में छठे स्थान पर आई थीं। शंघाई में उनका मुकाबला केन्या की मौजूदा विश्व चैंपियन फेथ चेरोटिछ, कज़ाकिस्तान की पूर्व विश्व चैंपियन नोराह जेरुतो

और युगांडा की पूर्व ओलंपिक चैंपियन पेरुथ चेमुताई से होगा।

शंघाई मीट के साथ ही 2026 डायमंड लीग सीजन की शुरुआत भी हो जाएगी, क्योंकि दोहा लेग-जिसे मूल रूप से ओपनर के तौर पर रखा गया था-को 8 मई से बदलकर 19 जून कर दिया गया है। सचिन और पारुल दोनों ही आने वाली डायमंड लीग मीट और दुनिया भर के शीर्ष एथलीटों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाकर, आगे आने वाले व्यस्त सीजन के लिए अपनी लय बनाने की कोशिश करेंगे; इस सीजन में 2026 के एशियाई खेल भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता अमेरिकी सैनिक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

मोरक्को, एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए अमेरिकी सेना के अधिकारी फर्स्ट लेफ्टिनेंट केड्रिक लेमोंट की तलाश का दुखद अंत हुआ है। उनका शव अटलांटिक महासागर के किनारे मिला। बताया जा रहा है कि केड्रिक और उनके एक अन्य साथी छुट्टी के दौरान पहाड़ियों पर घूमने गए थे, जहां पैर फिसलने के कारण वे समुद्र में गिर गए थे। मोरक्को और अमेरिका की टीमें अभी भी लापता दूसरे सैनिक की तलाश में जुटी हैं। इस बड़े बचाव अभियान में 600 से अधिक जवान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन लगाए गए हैं। हालांकि अफ्रीकन लायन सैन्य अभ्यास खत्म हो चुका है, लेकिन अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी अभी भी मोरक्को में तैनात है ताकि दूसरे सैनिक का पता लगाया जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की केन्या यात्रा, नए संबंधों की शुरुआत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपनी केन्या यात्रा शुरू कर दी है, जहां वह अफ्रीका फॉरवर्ड समिट में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन के जरिए फ्रांस अफ्रीका के साथ अपने पुराने औपनिवेशिक संबंधों को पीछे छोड़कर एक बराबरी की दोस्ती का संदेश देना चाहता है। पहली बार यह सम्मेलन किसी अंग्रेजी भाषी देश में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरे के दौरान फ्रांस और केन्या ने परमाणु ऊर्जा, परिवहन और कृषि जैसे क्षेत्रों में 11 बड़े निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी ओर, केन्या के विपक्षी नेताओं ने इस आयोजन की आलोचना की है। उनका कहना है कि केन्या में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की स्थिति खराब है और यह सम्मेलन केवल एक दिखावा है।

भारतीय मूल के क्यू मणिवन्नन स्कॉटिश संसद सदस्य निर्वाचित

एडिनबर्ग, एजेंसी। स्कॉटलैंड के संसदीय चुनाव में भारत में जन्मे मानवविज्ञानी क्यू मणिवन्नन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। खुद को नॉन-बाइनरी (लैंगिक पहचान में भ्रम) बताने वाले मणिवन्नन ने स्कॉटिश ग्रीन्स पार्टी के टिकट पर एडिनबर्ग और लोथियन ईस्ट से जीत हासिल की। तमिलनाडु के रहने वाले मणिवन्नन एक छात्र हैं। स्कॉटलैंड ने कम अवधि के वीजा वाले विदेशियों को भी चुनाव लड़ने की अनुमति दी है।

हथियार तस्करी में पाकिस्तानी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका से कनाडा में 89 हथियार तस्करी करने के आरोप में एक पाकिस्तानी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद हथियारों में से 17 हथियार चोरी के हैं। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने राजमार्ग पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध जवाब मिलने पर संदिग्धों की तलाशी ली, जिसमें हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान फैजान (पाकिस्तान), मलिक ब्रोमफील्ड (कनाडा) और कमल (जॉर्डन) के रूप में हुई है। फैजान के पास एक अन्य व्यक्ति का अवधि समाप्त इमिग्रेशन परमिट भी मिला।

सिंगापुर के सांस्कृतिक उत्सव में भारतीय आमों की धमक

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में आयोजित ट्रेड्स ऑफ इंडियन ट्रेडिशन उत्सव में भारतीय आमों के जरिये अनूठी ब्रांडिंग की गई। कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाले गायकों और नर्तकों को पुरस्कार के रूप में भारतीय आमों के डिब्बे भेंट किए गए। भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने कहा कि उच्चायोग की ओर से इस महीने का दूसरा ऐसा मैंगो प्रमोशन इवेंट है। इससे पहले ईस्ट कोस्ट में आयोजित उत्सव में 6,000 से अधिक लोगों ने भारतीय आमों की 10 किस्मों का स्वाद चखा था।

जेल से अस्पताल पहुंचीं नोबेल विजेता नरगिस

तेहरान, एजेंसी। जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तेहरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेल में बेहोश होकर गिरने के बाद उनके परिवार ने लगातार उन्हें बेहतर इलाज दिलाने की मांग की थी, जिसके बाद प्रशासन ने जमानत पर उनकी सजा को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया है। मोहम्मदी के फाउंडेशन का कहना है कि उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए केवल सजा का निलंबन काफी नहीं है, बल्कि उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख की जरूरत है। फाउंडेशन ने मांग की है कि उनकी 18 साल की बाकी सजा और सभी आरोपों को पूरी तरह से खत्म किया जाए ताकि उन्हें दोबारा जेल न लौटना पड़े।

त्रिनिदाद में बोले जयशंकर: गिरमिटिया को मिलेगा भारत का साथ

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों के साथ भारत के गहरे होते संबंधों को रेखांकित किया। जयशंकर ने कहा कि ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) योजना के प्रति विदेश में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है और भारतीय उच्चायोग को बड़ी संख्या में आवेदन मिल रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन लोगों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, उनकी मदद के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ ऐतिहासिक नेल्सन द्वीप का दौरा किया, जहां कभी गिरमिटिया भारतीय पहली बार पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने 180 वर्ष पहले त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे पहले भारतीय मजदूरों को याद किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में नया जीवन बसाने वाले भारतीय प्रवासियों की दृढ़ता, संकल्प और साहस को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भारतीय प्रवासी समुदाय की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड देने की घोषणा ने दोनों देशों के सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्तों को नई मजबूती दी है। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत की सहायता से नेल्सन द्वीप पर शुरू की गई क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट साझा विरासत और ऐतिहासिक यात्रा को संरक्षित करने में मदद करेगी। जयशंकर 2 मई से 10 मई तक तीन देशों की यात्रा पर थे। दौरे के अंतिम दिन उन्होंने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों की सराहना की।

गिरमिटिया समुदाय की विरासत संरक्षित करने का लगातार किया जा रहा प्रयास : जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुआ अभिलेखीय सहयोग समझौता भारतीय मूल के लोगों को अपनी पैतृक जड़ों की पहचान करने और भारत में अपने परिवारों से दोबारा जुड़ने में मदद करेगा। भारत सरकार गिरमिटिया समुदाय की विरासत को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विदेश मंत्री ने कहा, ये प्रवासी अपने साथ भारतीय परंपराएं, आस्था और जीवन शैली लेकर आए थे, इसलिए इस इतिहास को विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया जाना महत्वपूर्ण है। समझौते से भारतीय मूल के लोगों को अपने पूर्वजों और भारत स्थित रिश्तेदारों की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

भारत की मदद से हुई कई परियोजनाओं की शुरुआत : जयशंकर ने अपनी यात्रा के दौरान कृषि प्रसंस्करण केंद्र की शुरुआत की और स्थायी कृत्रिम अंग केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ दक्षिण त्रिनिदाद में भारत की सीड्स पहल से संचालित एग्रो-प्रोसेसिंग सुविधा का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। जयशंकर ने कहा कि यह परियोजना लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूती देगी और कृषि क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगी।

जुलाई, 2025 में पीएम मोदी ने की थी यात्रा : पिछले साल जुलाई में पीएम मोदी ने त्रिनिदाद व टोबैगो की यात्रा के दौरान वहां के भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड की घोषणा की थी। इसे भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बता दें कि 1845 से 1917 के बीच भारतीय उपमहाद्वीप से करीब 1.43 लाख मजदूर त्रिनिदाद पहुंचे थे, जिनमें अधिकांश उत्तर भारत व बिहार से थे। आज उनकी पांचवीं व छठी पीढ़ी देश की कुल आबादी का लगभग 40-45 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत-त्रिनिदाद के बीच 8 समझौते : जयशंकर के दौरे पर भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने पर्यटन, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और आयुर्वेद समेत विभिन्न क्षेत्रों में आठ समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौतों में पर्यटन सहयोग, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के विदेश व कैरिकॉम मामलों के मंत्रालय भवन का सौर ऊर्जा से संचालन, वेक्टर नियंत्रण, नेल्सन द्वीप के बुनियादी ढांचे के उन्नयन व यूनिवर्सिटी ऑफ द वेस्ट इंडीज में आयुर्वेद पर भारतीय चेयर स्थापित करना शामिल है। जयशंकर ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर की मौजूदगी में स्कूली बच्चों को 2,000 लैपटॉप की पहली खेप सौंपी।

ब्रह्मांड की एक और गुत्थी सुलझी: ब्लैक होल की टक्करों से हो रहा पिंडों का जन्म, सितारों की टक्कर से बने जोड़

टोक्यो, एजेंसी। ब्रह्मांड के सबसे विशालकाय ब्लैक होल के निर्माण की एक बड़ी गुत्थी को सुलझा लिया गया है। हालिया एक शोध में वैज्ञानिकों का दावा है कि कॉस्मिक जायंट्स यानी विशालकाय खगोल पिंड घने तारा समूहों में होने वाली हिंसक टक्करों के परिणामस्वरूप बन रहे हैं। नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि गुरुत्वाकर्षण तरंगों ने इन ब्लैक होल के पिंडों के निर्माण के रहस्य से पर्दा उठाया है। कार्डिफ यूनिवर्सिटी के फैबियो एंटोनिनी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एलआईजीओ, केएजीआरए और वर्गो डिटेक्टरों की मदद से दर्ज किए गए 153 ब्लैक होल विलय का विश्लेषण किया। ये तरंगें, जिन्हें पहली बार 1915 में अल्बर्ट आइंस्टीन ने जनरल रिलेटिविटी के सिद्धांत के तहत प्रस्तावित किया था। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि क्या भारी ब्लैक होल सीधे बड़े सितारों के ढहने से बनते हैं या छोटे ब्लैक होल के बार-बार आपस में जुड़ने से। अध्ययन में ब्लैक होल्स की दो स्पष्ट श्रेणियां देखी गईं इसमें पहली कम द्रव्यमान वाले ब्लैक होल और दूसरी वो जो सुपरनोवा विस्फोट के बाद सितारों के कोर के ढहने से बने थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि भारी ब्लैक होल की स्पिन तेज और विभिन्न दिशाओं में थी। टीम की सदस्य इसाबेल रोमेरो-शॉ के अनुसार, यह तेज और घूमने उल्टी-पुल्टी दिशा बताती है कि ये ब्लैक होल घने तारा समूहों के भीतर बार-बार हुई टक्करों से पैदा हुए हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, सूर्य के द्रव्यमान से 45 गुना बड़े सितारे मरने पर ब्लैक होल बनने के बजाय पूरी तरह से फट जाते हैं, 45 ब्लैक होल पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने। वैज्ञानिकों के मुताबिक, 45 सौर द्रव्यमान से बड़े ब्लैक होल का अस्तित्व केवल तभी संभव है जब वे पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने हों। यह खोज न केवल ब्लैक होल के बढ़ने की प्रक्रिया को स्पष्ट करती है।

ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान गर्मजोशी की संभावना नहीं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की अपनी यात्रा से कुछ सप्ताह पहले से ही सोशल मीडिया पर यह भविष्यवाणी कर रहे थे कि उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग वहां पहुंचने पर मुझे गले लगाएंगे। हालांकि,माना जा रहा है कि ईरान के साथ चीन के प्रगाढ़ आर्थिक संबंध, साथ ही ट्रंप के पहले कार्यकाल से चले आ रहे टैरिफ की धमकियों को लेकर व्यापारिक तनाव, इस सप्ताह ट्रंप की बीजिंग यात्रा के दौरान माहौल को धूमिल कर सकते हैं। इस्राइल से दो विदेशी नागरिक निर्वासित इस्राइल ने रविवार को दो विदेशी कार्यकर्ताओं सैफ अबू केशेक (स्पेन) और थियागो अविला (ब्राजील) को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में गाजा जा रहे एक जहाजी बेड़े में गिरफ्तार करने के बाद निर्वासित कर दिया। ये 12 अप्रैल को स्पेन से शुरू दूसरे ग्लोबल सुमुद बेड़े का हिस्सा थे। इसका उद्देश्य गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाकर इस्राइल द्वारा गाजा की नाकाबंदी को तोड़ना था। इन्हें 29 अप्रैल को इस्राइली अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। गाजा पर इस्राइल के हमले में तीन की मौत इस्राइल की तरफ से गाजा पर किए गए हमले में तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें हमास के पुलिस बल प्रमुख समेत दो लोग शामिल हैं। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि रविवार को हवाई हमले में मगाजी शरणार्थी शिविर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। गाजा के हमास-नियंत्रित आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, एक अन्य हमले में खान यूनिस में पुलिस बल के प्रमुख वेसम अब्देल-हादी और उनके सहयोगी की मौत हो गई। गाजा में युद्धविराम उल्लंघन का यह ताजा मामला है।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा:संविधान में नया प्रावधान जोड़ा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी।

क्यों बदली गई उत्तर कोरिया की परमाणु नीति : डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया। लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है ऐसी नीति पहले अनौपचारिक रूप से मौजूद रही हो, लेकिन अब इसे संविधान का हिस्सा बना दिया गया है।

उत्तर कोरिया में हमला करना मुश्किल : एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ईरान के मुकाबले उत्तर कोरिया में ऐसा हमला करना कहीं ज्यादा मुश्किल होगा। उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे बंद देशों में से एक है। वहां विदेशी डिप्लोमैट्स, सहायता कर्मियों और कारोबारियों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, जिससे खुफिया जानकारी जुटाना बेहद मुश्किल हो जाता है। लोकल ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली खुफिया एजेंसियों ने ईरानी नेताओं पर नजर रखने के लिए हैक किए गए ट्रैफिक कैमरों और डिजिटल सर्विलांस सिस्टम का इस्तेमाल किया था। हालांकि प्योंगयांग में ऐसा करना बहुत कठिन होगा।

भारतीय दवाओं पर अड़ंगे से नेपाल में गंभीर संकट, जीवन रक्षक औषधियों की घोर कमी का खतरा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार की नीतियों में बदलाव व शुल्क बाधाओं से देश में जीवन रक्षक दवाओं का संकट पैदा होने लगा है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ ने चेताया है कि मूल्य समायोजन में दिखाई गई उदासीनता के कारण निकट भविष्य में इन दवाओं का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। नेपाल अपनी जरूरत की 70% दवा आयात करता है। इसमें 90% दवाएं भारत से आती हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष व आर्थिक दबाव के कारण दवाओं के कच्चे माल व उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है। भारत व अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दवाओं की कीमतें बढ़ चुकी हैं, लेकिन नेपाल ने 117 प्रकार की मूल्य नियंत्रित दवाओं के संबंध में अब तक कोई निर्णय नहीं किया है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ के अध्यक्ष पवन आचार्य के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस अनुपात में कीमतें बढ़ी हैं, नेपाल में भी उसी के अनुसार समायोजन होना चाहिए। यदि कीमतें समायोजित नहीं की गईं, तो आयात करना संभव नहीं होगा। बाजार में इन दवाओं का भारी अभाव हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डिपार्टमेंट ऑफ ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक जानकारी दी जा चुकी है।

भारतीय उत्पादकों की घटती रुचि, सुरक्षा चिंताजनक : नेपाल की ओर से 93 प्रकार की दवाओं के आयात पर रोक और आयात संबंधी बाधाएं खड़ी करने की नीति से भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों की रूचि घटने लगी है। आचार्य के अनुसार, यदि भारत से नेपाल होने वाला निर्यात घटता गया, तो उनका हित भी कम हो जाएगा।

सीमा शुल्क व नीतिगत बाधाएं : आयातकों ने सीमा शुल्क विभाग से पैदा की जा रही परेशानियों की भी शिकायत की है। आचार्य के अनुसार, प्रावधान 5% सीमा शुल्क का है, पर बिलों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाकर 28% तक जुर्माना वसूला जा रहा है। सिटी स्कैन व एमआरआई में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन पर भी अतिरिक्त कर वसूला जा रहा है।

श्रीलंका में नाबालिग से रेप के आरोप में 71 वर्षीय बौद्ध भिक्षु गिरफ्तार; युवती की मां भी हिरासत में

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु पल्लेगामा हेमारथाना थेरो को नाबालिग लड़की से कथित रेप और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 71 साल के भिक्षु को कोलंबो के एक निजी अस्पताल से हिरासत में लिया गया।

हेमारथाना थेरो श्रीलंका के आठ पवित्र बौद्ध स्थलों के प्रमुख संरक्षक हैं। वे अनुराधापुरा के मुख्य पुजारी भी हैं। अनुराधापुरा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक वे उस पवित्र वृक्ष के भी संरक्षक हैं, जिसे बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति वाले बोधि वृक्ष की शाखा से उगा माना जाता है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक पीड़िता अब 15 साल की है। मार्च में नाबालिग के कथित अपहरण और अवैध हिरासत से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान पुलिस को लंबे समय तक यौन शोषण की जानकारी मिली। इसके बाद लड़की को सरकारी संरक्षण केंद्र में रखा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़की की मां को भी गिरफ्तार किया गया है। उस पर शोषण में मदद करने और मामला छिपाने का आरोप है। भिक्षु पर आरोप है कि 2022 में अनुराधापुरा के एक मंदिर में लड़की के साथ कई बार रेप और यौन उत्पीड़न किया गया। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फिलहाल उन्हें कोलंबो जेल अस्पताल में मेडिकल निगरानी में रखा गया है। बाल संरक्षण अधिकारियों ने पहले पुलिस की आलोचना की थी कि आरोपी का नाम सामने आने के बावजूद उसे गिरफ्तार नहीं किया गया। बाद में अनुराधापुरा के मुख्य मजिस्ट्रेट ने जांच पूरी होने तक भिक्षु को हिरासत में रखने का आदेश दिया।

2 महीने पहले शिकायत दर्ज हुई थी : इस मामले की शिकायत मार्च में दर्ज कराई गई थी. शुरुआत में मामला नाबालिग लड़की के अपहरण और उसे जबरन रोककर रखने का था. लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को यौन शोषण की जानकारी मिली. पुलिस के मुताबिक, हेमरत्ना को राजधानी कोलंबो के एक निजी अस्पताल से पकड़ा गया. वह वहां इलाज करा रहे थे. कोलंबो, अनुराधापुरा से करीब 200 किमी दूर है. हेमरत्ना, अटामास्थान नाम के पवित्र बौद्ध स्थलों के मुख्य भिक्षु हैं. ये जगह श्रीलंका के सबसे अहम धार्मिक स्थलों में गिनी जाती है और यहां हर साल हजारों श्रद्धालु आते हैं. इससे पहले श्रीलंका में बौद्ध भिक्षुओं से जुड़ा एक और बड़ा मामला सामने आया था. 28 अप्रैल 2026 को कोलंबो एयरपोर्ट पर 22 बौद्ध भिक्षुओं को 110 किलो से ज्यादा गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. पुलिस के मुताबिक, ये सभी भिक्षु थाईलैंड से लौट रहे थे. उनके सूटकेस में खास तरीके से नकली तली बनाकर गांजा छिपाया गया था. हर बैग में 5 किलो से ज्यादा गांजा मिला था. अधिकारियों का कहना था कि यह एयरपोर्ट पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी में से एक है. जब्त गांजे की कीमत करीब 34.5 लाख डॉलर यानी लगभग 110 करोड़ रुपये बताई गई है।

ईरान ने अमेरिका को फिर भेजा शांति प्रस्ताव, डोनाल्ड ट्रंप ने देखते ही किया खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने की तमाम कोशिशें नाकाम ही होती नजर आ रही हैं। उधर होर्मुज बंद होने और अमेरिका की नाकेबंदी की वजह से दुनियाभर में तेल और गैस का संकट गहराता हीचला जा रहा है। ईरान ने अमेरिका को एक और शांति का प्रस्ताव भेजा था लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने उसे स्वीकार करने से सीधे तौर पर इनकार करद या। रविवार को ईरान ने अमेरिका के सामने एक नया प्रस्ताव रखा था। इसके मुताबिक हर मोर्चे पर युद्धविराम करने की मांग की गई थी। खास तौर पर लेबनान में संघर्ष रोका जाना और होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित आवाजाही पर जोर दिया गया था।

क्या थीं ईरान की शर्तें : ईरान का कहना था कि युद्ध में जो उसे नुकसान हुआ है उसकी अमेरिका भरपाई करे और मुआवजा दे। इसके अलावा ईरान की शर्त थी कि अमेरिका अपने प्रतिबंध हटा ले और ईरान के तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की पूरी छूट दी जाए। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि होर्मुज पर ईरान की संप्रभुता को स्वीकार किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस प्रस्ताव को तत्काल खारिज कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ही साफ कर दिया है कि यह डील उनके लिए अस्वीकार्य है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने का मूल मकसद देश के अधिकारों को सुरक्षित करना और राष्ट्रीय हितों की मजबूती से रक्षा करना है। इसका अर्थ किसी के आगे आत्मसमर्पण करते हुए पीछे हटना नहीं है। गौरतलब है कि ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पेजेश्कियन ने कहा कि ईरानी राष्ट्र 'दुश्मन के सामने कभी नहीं झुकेगा।

अमेरिका ने भी दिया था शांति प्रस्ताव : वाशिंगटन और तेहरान के बीच जारी वार्ता में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है। मौजूदा तनाव के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजरानी तंत्र में व्यवधान उत्पन्न हुआ है और वैश्विक ऊर्जा बाजार हिल गए हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के पिछले संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शरीफ ने रविवार को कहा: 'फिलहाल, फील्ड मार्शल (आसिम मुनीर) ने मुझे सूचित किया है कि हमें ईरान का जवाब मिल गया है। मैं इससे अधिक विवरण नहीं दे सकता।' इससे पहले, ईरानी मीडिया ने बताया था कि तेहरान ने अमेरिकी प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तान को सौंप दी थी, जिसे बाद में वाशिंगटन को भेज दिया गया था। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप युद्ध शुरू हुआ था। फिलहाल आठ अप्रैल से युद्धविराम जारी है। ईरान ने रेसलिंग हाउस पर अमेरिका-इजराइल का हमले का वीडियो शेयर किया भारत में ईरान के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंटने एक सीसीटीवी वीडियो शेयर किया है। पोस्ट में दावा किया गया है कि यह वीडियो जंग के दौरान मार्टर मोस्तफा सदरजादेह रेसलिंग हाउस पर हुए अमेरिका-इजराइल हमले का है। पोस्ट किए गए वीडियो में कथित तौर पर एक इमारत के अंदर धमाके और अफरा-तफरी जैसा नजारा दिख रहा है। अमेरिकी रक्षामंत्री ने हथियार कम पड़ने के दावे को खारिज किया अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान युद्ध के कारण अमेरिका के हथियारों का स्टॉक तेजी से कम होने के दावों को खारिज कर दिया है। दरअसरल अमेरिकी नेवी के रिटायर्ड कैप्टन और डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली ने छ्क्क्र को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पेंटागन ने उन्हें बताया है कि अमेरिका ने बहुत बड़ी मात्रा में हथियार खर्च कर दिए हैं। पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मार्क केली के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। हेगसेथ ने कहा कि केली टीवी पर पेंटागन की क्लासिफाइड ब्रीफिंग से जुड़ी गलत जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केली गलत और बेवकूफी भरी बातें कर रहे हैं। केली ने चेतावनी दी थी कि अगर भविष्य में चीन या किसी दूसरे मोर्चे पर बड़ा संघर्ष होता है, तो अमेरिका कम सुरक्षित स्थिति में होगा। केली ने दावा किया कि मौजूदा हथियार भंडार को फिर से तैयार करने में कई साल लग सकते हैं।

अभिषेक बनर्जी हाजिर नहीं हुए तो गिरफ्तारी वारंट : हाईकोर्ट

जबलपुर (एजेंसी)। टीएमसी सांसद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि अगली सुनवाई में यदि उनकी ओर से बहस नहीं हुई तो गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक हटा दी जाएगी। मामला पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय द्वारा दायर मानहानि केस से जुड़ा है। आरोप है कि नवंबर 2020 में कोलकाता की एक सभा में अभिषेक बनर्जी ने आकाश विजयवर्गीय को ऽगुंडाऽ कहा था। इसी बयान को लेकर 2021 में विशेष अदालत में परिवाद दायर किया गया था। सुनवाई के दौरान बनर्जी पक्ष ने सांसद होने और फरार होने की आशंका नहीं होने का तर्क दिया, लेकिन कोर्ट ने लगातार समय मांगने पर नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया कि अब मामले में और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यूपी में शुरू हो सकते हैं ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फ्रॉम होम

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार शाम अहम बैठक आयोजित की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक में बदलते हालात के बीच प्रदेश में नई प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार बैठक में विद्यालयों, महाविद्यालयों और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करने की संभावनाओं पर विस्तार से मंथन किया गया। साथ ही सरकारी और निजी कार्यालयों में कर्मचारियों के लिए घर से काम की व्यवस्था लागू करने पर भी गंभीर विचार-विमर्श हुआ। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिजिटल शिक्षा और दूरस्थ कार्य व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिए जाने के बाद प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बैठक में सभी विभागों के बीच समन्वय, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता और आवश्यक दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों को संभावित व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए जा सकते हैं। यदि फैसला लागू होता है तो उत्तर प्रदेश में लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

भारत-नेपाल सीमा पर थाई देह व्यापार रैकेट का खुलासा, दो विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। तीसरे देशों के नागरिकों की संदिग्ध आवाजाही के संबंध में मिली खुफिया सूचना के आधार पर, एसएसबी की 41वीं बटालियन की टीम ने एक विशेष अभियान चलाया। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत रतखोला इलाके में भारतीय सीमा स्तंभ संख्या 88/08 के पास एक संदिग्ध गाड़ी को रोका गया। तलाशी के दौरान, एक अंतरराष्ट्रीय देह व्यापार रैकेट का खुलासा हुआ। एसएसबी ने दो थाई नागरिकों, एक नेपाली नागरिक और एक भारतीय नागरिक सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई थाई महिलाओं की पहचान 43 वर्षीय नुसरा किंगवान और 33 वर्षीय सावनी चलासाई के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये महिलाएं थाई मसाज की आड़ में देह व्यापार के नेटवर्क से जुड़ी थीं और अनधिकृत जमीनी रास्ते से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रही थीं। अभियान के दौरान, एसएसबी ने एक शेवरले बीट कार, कई मोबाइल फोन, पासपोर्ट, आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र जब्त किए। सुरक्षा एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन और मानव तस्करी से जुड़े पहलुओं की गहन जांच कर रही हैं। गिरफ्तार सभी आरोपियों और जब्त सामानों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए नक्सलबाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस ने पासपोर्ट अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि एसएसबी सीमा पर निगरानी बढ़ाए हुए है।

मुंबई में गहराया जल संकट : बीएमसी ने 10 प्रतिशत पानी कटौती की घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में गहराते जल संकट के बीच, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने 15 मई से शहर भर में पानी की आपूर्ति में 10 प्रतिशत कटौती की घोषणा की है। यह निर्णय मुंबई को पानी पिलाने वाली झीलों में जल स्तर में भारी गिरावट और इस साल कमजोर मानसून की मौसम विशेषज्ञों की चेतावनी को देखकर लिया गया है। हालांकि, बीएमसी के अधिकारियों ने नागरिकों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील कर आश्वासन दिया है कि आने वाले समय में बड़े संकट से बचने के लिए पानी का वितरण सावधानीपूर्वक किया जा रहा है। बीएमसी के अनुसार, वर्तमान में मुंबई के जलाशयों में उपलब्ध जल भंडार शहर की वार्षिक आवश्यकता का केवल 23.5 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, करीब 340,399 मिलियन लीटर पानी बचा है, जबकि शहर को सालाना 14 लाख मिलियन लीटर से अधिक की आवश्यकता होती है। निगम स्थिति पर प्रतिदिन बारीकी से नजर रख रहा है ताकि भविष्य में शहर को गंभीर जल संकट का सामना न करना पड़े। इस कटौती का एक प्रमुख कारण इस वर्ष कम वर्षा की आशंका है, जो अल नीनो और हिंद महासागर द्विध्रुव जैसी मौसम संबंधी स्थितियों से प्रभावित हो सकती है। बीएमसी ने निवासियों से पानी बर्बाद न करने और स्थिति सुधारने तक उसका सावधानीपूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया है। संकट से निपटने के लिए, बीएमसी भाटसा और ऊपरी वैतरणा बांधों से अतिरिक्त जल भंडार छोड़ेगी, जिससे क्रमशः लगभग 147,092 मिलियन लीटर और 90,000 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाएगी। मुंबईकरों की चिंताएं इस निर्णय से बढ़ गई हैं।

देश के 19 राज्यों में बिगड़ेगा मौसम का मिजाज, भूस्खलन का खतरा

आंधी-बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी

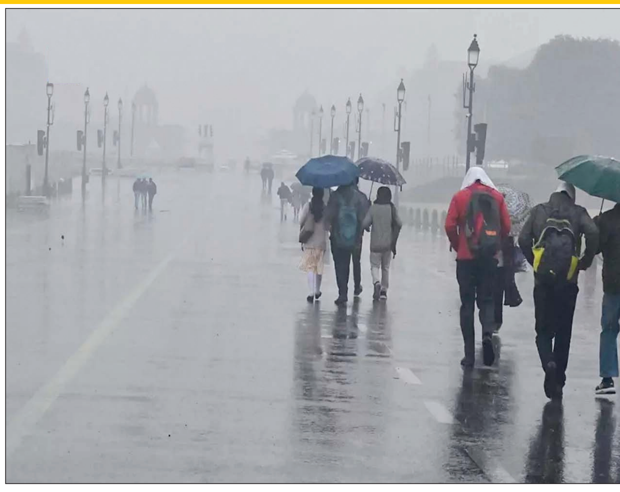

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई के महीने में गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। पिछले कुछ दिनों से आसमान साफ रहने के बाद मौसम विभाग ने एक बार फिर देश के कई हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। 12 मई को उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा सहित कुल 19 राज्यों में खराब मौसम का अलर्ट है। विभाग ने आगाह किया है कि इस दौरान न केवल बारिश होगी, बल्कि कई स्थानों पर बिजली गिरने (वज्रपात) की भी संभावना है। विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और पर्यटकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि भारी बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में फिलहाल ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा टालना ही बेहतर होगा।

राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में भी मध्यम बारिश के साथ धूलभरी आंधी चलने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण यह बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बारिश के आसार हैं, लेकिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। वहीं बिहार और झारखंड में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बिहार के चंपारण, गोपालगंज, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है, जो किसानों की फसलों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। झारखंड के गिरडीह और बोकारो जैसे जिलों में भी आंधी-बारिश की संभावना जताई गई है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पौड़ी गढ़वाल में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भी मौसम बिगड़ने के आसार हैं। मैदानी इलाकों में पंजाब के अमृतसर, लुधियाना और बठिंडा जैसे शहरों में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके अलावा राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर और अलवर समेत मध्य प्रदेश के इंदौर, छतरपुर और सिंगरौली जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और पेड़ों या जर्जर इमारतों के नीचे शरण लेने से बचें।

पीएम पर अभद्र टिप्पणी मामले में सपा सांसद पर हुई एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से समाजवादी पार्टी के सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में पुलिस ने उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी की तहरीर पर शहर कोतवाली में की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 189(2), 352 और 196(1) के तहत सांसद और उनके अज्ञात समर्थकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना बीते सोमवार की है, जब सपा सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे। राज्यपाल को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपने पहुंचे सांसद ने प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री के खर्चों में कटौती संबंधी अपील को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर प्रधानमंत्री के प्रति अभद्र और असंसदीय भाषा का प्रयोग किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भाजपा ने इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। इस मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति एक सांसद द्वारा की गई असंसदीय टिप्पणी न केवल अशोभनीय और अक्षम्य है, बल्कि यह भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर भी गंभीर आघात है। मुख्यमंत्री ने सपा सांसद के इस कृत्य को राजनीतिक कुसंस्कार और वैचारिक दिवालियापन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी 145 करोड़ देशवासियों के जनादेश और विश्वास का अपमान है और देश की जनता ऐसे अमर्यादित आचरण का उत्तर समय आने पर अवश्य देगी।

थलापति को राहतः एआईएडीएमके में टूट से टीवीके को मिला समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की सियासत में मंगलवार को एक ऐसा मोड़ आया जिसने राज्य के पूरे राजनीतिक समीकरण को बदलकर रख दिया है। अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के लिए यह दिन बड़ी खुशखबरी लेकर आया। विधानसभा में बहुमत के आंकड़े के लिए संघर्ष कर रही टीवीके को अब एआईएडीएमके में हुई बड़ी टूट का सीधा फायदा मिला है। पूर्व मंत्री सीवी शनमुगम के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके के एक बड़े गुट ने आधिकारिक तौर पर थलापति विजय को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है, जिससे फ्लोर टेस्ट से पहले विजय की सरकार बेहद मजबूत स्थिति में आ गई है।

तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके अब स्पष्ट रूप से दो धड़ों में बंट गई है। आंकड़ों की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी (ईपीएस) के पास अब केवल 22 विधायकों का समर्थन बचा है, जबकि सीवी शनमुगम के नेतृत्व वाले विद्रोही गुट के पास 24 विधायकों का साथ है। इस विद्रोही गुट ने थलापति विजय के पाले में जाने का फैसला कर राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। सीवी शनमुगम ने मंगलवार सुबह इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पार्टी का जन्म ही डीएमके के विरोध में हुआ था और पिछले 53 वर्षों से उनकी राजनीति इसी विचारधारा पर टिकी है। शनमुगम ने खुलासा किया कि पार्टी के भीतर एक प्रस्ताव आया था कि डीएमके के सहयोग से सरकार बनाई जाए, जिसे उनके गुट ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि यदि वे डीएमके के साथ गठबंधन करते, तो एआईएडीएमके का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। अपने स्वाभिमान और विचारधारा को बचाने के लिए उन्होंने थलापति विजय की टीवीके को समर्थन देना बेहतर समझा। इस गुट ने एसपी वेलुमणि को अपना फ्लोर लीडर भी चुन लिया है।थलापति विजय के लिए यह समर्थन किसी संजीवनी से कम नहीं है। चुनाव परिणामों के बाद जहां वे बहुमत के लिए एक-एक विधायक के समर्थन की उम्मीद कर रहे थे, वहीं अब विधायकों का एक पूरा कुनबा उनके साथ खड़ा है। इस घटनाक्रम ने न केवल सत्ताधारी डीएमके को झटका दिया है, बल्कि तमिलनाडु की द्विदलीय राजनीति में एक तीसरे मजबूत विकल्प के उदय पर मुहर लगा दी है। अब सबकी निगाहें विधानसभा में होने वाले फ्लोर टेस्ट पर टिकी हैं, जहां विजय की शक्ति का वास्तविक परीक्षण होगा। यह राजनीतिक घटनाक्रम यह भी दर्शाता है कि तमिलनाडु की जनता और नेता अब पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से इतर नए नेतृत्व की ओर देख रहे हैं।

नीट पेपर लीक पर केजरीवाल का हमलाः अगर परीक्षा नहीं करा सकती कैसी सरकार?

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 3 मई को आयोजित यह परीक्षा, इसके बाद रद्द किया गया, बड़े पैमाने पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण का परिणाम है। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि अगर सरकार ठीक से परीक्षाएं नहीं करा सकती, तब वह किस काम की है और लाखों छात्रों का भविष्य क्यों दांव पर लगाया जा रहा है।

नई दिल्ली में एक प्रेसवार्ता को संबोधित कर केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहली बार नहीं है जब नीट का पेपर लीक हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि ऐसा 2017, 2021 और 2024 में भी हो चुका है। केजरीवाल ने सवाल उठाया, 2017 और 2021 में परीक्षा का पेपर लीक करने वालों को क्या सजा मिली? 2024 में पेपर लीक करने वाले सभी को जमानत मिली और वे अब बाहर हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे उन्हें अगले पेपर लीक की तैयारी करने को कहा गया था। इस पूरी तरह से मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण का मामला बताकर उन्होंने सरकार की अक्षमता पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाया। केजरीवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और त्याग को भी रेखांकित किया। अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा कर बताया कि कैसे उन्होंने आईआईटी और सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी की थी, और उन कठिनाइयों को समझा जिनके माध्यम से छात्र गुजरते हैं। उन्होंने उन गरीब परिवारों का उल्लेख किया जो अपने बच्चों को कोचिंग दिलाने के लिए अपनी ज़मीनें तक बेच देते हैं। इसतरह पेपर लीक से छात्रों की तपस्या और बलिदान व्यर्थ हो जाता है, जिससे देश के भविष्य पर गहरा असर पड़ता है।

केंद्र सरकार पर सैलजा का निशाना : आर्थिक कुप्रबंधन और पेपर लीक से जनता त्रस्त

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर कहा है कि देश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रही है, लेकिन मोदी सरकार समाधान प्रस्तुत करने के बजाय लोगों से बार-बार त्याग और समझौते की अपील कर रही है। उन्होंने कहा कि कभी पेट्रोल और डीज़ल का कम उपयोग करने की सलाह दी जाती है, तब कभी घरेलू खर्च सीमित रखने की। सैलजा के अनुसार, यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार आर्थिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रही है और आने वाले दिनों में जनता पर और आर्थिक बोझ पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का दायित्व जनता को राहत देना, स्थिर आर्थिक वातावरण तैयार करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है, न कि उन्हें और त्याग के लिए कहना। कांग्रेस पार्टी आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी।

वहीं नीट पेपर लीक के मुद्दे पर भी कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने एनईईटी पेपर लीक को देश के लाखों युवाओं के भविष्य और उनकी मेहनत पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस नेता सैलजा ने कहा कि जब परीक्षाएँ भ्रष्टाचार और पेपर लीक की भेंट चढ़ने लगें, तब सबसे बड़ा नुकसान गरीब और मध्यम वर्ग के उन छात्रों का होता है जो वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। उन्होंने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने 22 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों का भरोसा तोड़ा है। उन्होंने मांग की कि सरकार युवाओं को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था दे। कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकार और उनके भविष्य की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी।

पटना में बजेंगे सायरन होगा ब्लैक आउट, हवाई हमले से बचने होगी मॉकड्रिल

-प्रशासन ने कहा- लोगों को घबराने या पैनिक होने की जरुरत नहीं

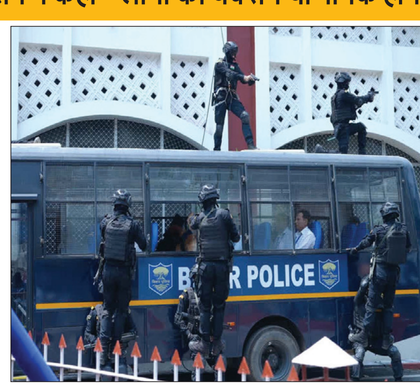

पटना (एजेंसी)। पटना में 14 मई शाम 7-15 बजे अचानक सायरन बजें, ब्लैक आउट हो जाए तो घबराना नहीं। ऐसा सिविल डिफेंस ब्लैकआउट यानी मॉकड्रिल के तहत किया जाएगा। दरअसल हवाई हमले से बचाव के लिए नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि यह केवल एक मॉकड्रिल है, इसलिए लोगों को घबराने या पैनिक होने की जरुरत नहीं है।

प्रशासन ने पटना के शहरी क्षेत्रों के लोगों, दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे 14 मई को तय 15 मिनट के लिए अपने घरों और दुकानों की लाइटें बंद रखें। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी का सायरन बजाया जाएगा, जो 2 मिनट तक गूंजेगा। सायरन बजते ही पूरे शहर में ब्लैकआउट की स्थिति हो जाएगी। डीएम ने लोगों से अपील है कि वे किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। केवल आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें।

रिपोर्ट के मुताबिक हवाई हमले की चेतावनी के लिए मॉकड्रिल और ब्लैकआउट निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के मुताबिक की जाएगी। इसमें राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तंत्र की क्रियाशीलता की जांच की जाएगी। मॉकड्रिल से लोगों के लिए जरुरी सेवाओं की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अस्पतालों में काम सुचारू रूप से चलता रहेगा। इसके लिए खिड़कियों पर विशेष प्राइवेसी कर्टेन या काले पर्दों का उपयोग किया जाएगा ताकि बाहर रोशनी न फैले।

डीएम ने कहा कि नागरिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से तय मापदंडों के अनुरूप पटना शहरी क्षेत्रों और पटना नगर निगम, नगर परिषदों, दानापुर निजामत, खगौल तथा फुलवारीशरीफ में मॉकड्रिल की जाएगी। मॉकड्रिल पटना में कहां कहां आयोजित की जाए? इसके लिए जगहों का चयन कर लिया गया है। जिला प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक चार जगहों पर मॉकड्रिल की जाएगा। जिनमें पटना समाहरणालय, बिस्कोमान भवन, बांकीपुर बस स्टैण्ड, आईजीआईएमएस। बता दें पटना समेत राज्य के 6 जिलों में हवाई हमला मॉकड्रिल और ब्लैकआउट का आयोजन किया जाना है।

सीमा पर फेंसिंग के लिए सुवेंदु ने दिए जमीन सौंपने के आदेश

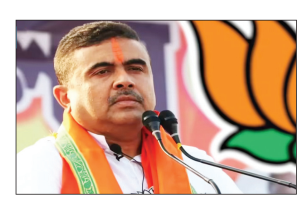

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार के गठन के साथ ही सीमा सुरक्षा को लेकर एक कड़ा रुख देखने को मिला है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य में तेजी लाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। सरकार ने आदेश दिया है कि सीमा के जिन हिस्सों में अभी तक बाड़ (फेंसिंग) नहीं लगी है, वहां कांटेदार तार लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को 45 दिनों के भीतर जमीन सौंप दी जाए। इस फैसले ने न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी हलचल पैदा कर दी है।

सुवेंदु सरकार के इस प्रशासनिक कदम पर बांग्लादेश की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूँ कबीर ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बांग्लादेश को कांटेदार तारों से डराया नहीं जा सकता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनावी भाषण देना और वास्तविक शासन चलाना दो अलग बातें हैं। ढाका अब यह देख रहा है कि बंगाल की नई सरकार अपने चुनावी वादों को प्रशासनिक फैसलों में किस हद तक बदलती है। कबीर ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेश का प्राथमिक कूटनीतिक संवाद भारत की केंद्र सरकार के साथ होता है, न कि किसी विशेष राज्य सरकार के साथ।

सीमा पर तनाव की स्थिति को देखते हुए बांग्लादेशी सुरक्षा बल भी अलर्ट मोड पर आ गए हैं। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बयान दिया है कि बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को सीमा पर हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या पुश-बैक की स्थिति को रोका जा सके। बांग्लादेश ने चेतावनी दी है कि यदि सीमा पर हिंसा या जबरन धकेलने की घटनाएं होती हैं, तो वह चुप नहीं बैठेगा। दरअसल, चुनाव से पहले भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में बंगाल-बांग्लादेश सीमा को पूरी तरह सुरक्षित करने का वादा किया था।

शाह ने कहा था- सीमा पर पुख्ता इंतजाम होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रचार के दौरान घोषणा की थी कि पहली कैबिनेट बैठक में ही सीमा सुरक्षा पर निर्णायक कदम उठाए जाएंगे। सोमवार का फैसला उसी चुनावी वादे की पूर्ति के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में अवैध घुसपैठ और सीमा सुरक्षा का यह मुद्दा भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों के बीच एक नया मोड़ ला सकता है। जहाँ भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य मान रही है, वहीं बांग्लादेश इसे मानवीय और कूटनीतिक दृष्टिकोण से जोड़कर देख रहा है।

विधानसभा चुनाव में लगातार जीत बीजेपी के लिए मरहम, राष्ट्रपति चुनाव में मिलेगा फायदा

-लोकसभा में भले ही बहुमत न मिला हो, दो साल बाद अब मजबूत स्थिति में पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए को मिली कम सीटों के दर्द पर विधानसभा चुनाव में लगातार मिल रही जीत मरहम का काम कर रही है। राज्यसभा में लगातार उसकी संख्या बढ़ रही है। ऐसे में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी को फायदा मिलता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार जैसे बड़े राज्यों की विधानसभाओं पर अपने सहयोगियों के साथ उसका जबरदस्त दबदबा लोकसभा में हुए नुकसान की भरपाई करने में असरदार साबित होगा। यूपी के बाद ये तीनों राज्य राष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में बड़ी जगह रखते हैं। लोकसभा में 2024 में उसकी सीटों की संख्या 303 से घटकर 240 रह गई थी। संसद और विधानसभाओं के सभी चुने हुए सदस्य मिलकर निर्वाचक मंडल बनाते हैं।

संसद और विधानसभाओं का वोटिंग में बराबर हिस्सा होता है, लेकिन जहां हर सांसद के वोट का मूल्य एक जैसा होता है, वहीं एक विधायक के वोट का वजन उस विधानसभा द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली आबादी के आकार के आधार पर अलग-अलग होता है। 2022 में यूपी के एक विधायक के वोट का मूल्य 208 था, जो सिक्किम के एक विधायक के वोट के मूल्य से करीब 30 गुना ज्यादा था। अगले साल भी यह आंकड़ा लगभग वैसा ही रहने की संभावना है, क्योंकि जनगणना के आंकड़े स्थिर रहते हैं और विधानसभा की सदस्य संख्या भी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का अस्तित्व भी एक अहम कारक होगा, हालांकि इसका असर मामूली ही होगा।

बता दें लोकसभा में सीटों की संख्या में गिरावट के कारण निर्वाचक मंडल में बीजेपी के वोटों में 44,100 की कमी आई। 2022 में निर्वाचक मंडल की कुल सदस्य संख्या 10,86,431 थी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को भले ही बहुमत न मिला हो लेकिन दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद वह अब काफी मजबूत स्थिति में है। राष्ट्रपति चुनावों में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अहम है, जहां विधायकों के वोटों का कुल भार 83,800 से ज्यादा है। लोकसभा चुनावों के बाद जब बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा पार करने के लिए बीजेपी को टीडीपी और जेडीयू पर निर्भर रहना पड़ा तो विपक्ष ने तुरंत इन दोनों क्षेत्रीय पार्टियों को बीजेपी के अस्तित्व के लिए बैसाखी करार दिया।

इसके अलावा, 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में एनडीए की ताकत पिछले राष्ट्रपति चुनावों के समय के 150 से बढ़कर 237 तक पहुंच गई है और 243 सदस्यों वाली बिहार विधानसभा में यह 125 से बढ़कर 202 हो गई है। अब पश्चिम बंगाल में उसके पास 77 के मुकाबले 207 विधायक हैं। अगले साल जुलाई में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से पहले सबसे ज्यादा अहमियत यूपी की है, क्योंकि निर्वाचक मंडल में उसके वोटों का वजन 83,800 से भी ज्यादा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com